सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 174 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 08 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से की समग्र विकास की बातें

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छत्तीसगढ़ और राजस्थान के समग्र विकास, सुशासन के प्रभावी मॉडल, जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

बच्चों से भरी स्कूल बस खाई में पलटी, 10 से ज्यादा घायल

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बुधवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक स्कूल बस सड़क किनारे खाई में पलट गई। बस में 35 बच्चे सवार थे। घटना काली नदी के पास की है। हादसा होते ही बस के अंदर फंसे बच्चे जोर-जोर से रोने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बस के शीशे तोड़े और बच्चों को बाहर निकाला। कई बच्चे सीटों के बीच फंसे हुए थे, जिन्हें मुश्किल से बाहर निकाला गया।

सौम्या चौरसिया के खिलाफ आज दाखिल होगी चार्जशीट

रायपुर। 3200 करोड़ के आबकारी घोटाले मामले में सौम्या चौरसिया एवं अन्य के विरुद्ध एसीबी कोर्ट में चालान प्रस्तुत करेगी। इसमें चालान में एसीबी, शराब घोटाले में सौम्या की भूमिका को उजागर करेगी। सौम्या चौरसिया, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी रह चुकी हैं, पहले कोयला घोटाले में गिरफ्तार हुई थीं और करीब दो साल तक जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी।

धार्मिक अंधविश्वास पर कोर्ट-सरकार में ठनी, उठा विशेषज्ञता का सवाल तो सुप्रीम कोर्ट ने यह कह दिया

एजेंसियां

नई दिल्ली। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती।

उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है।

इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा- मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है

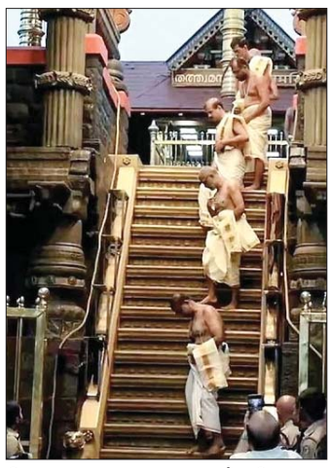

कि वह यह तय कर सके कि क्या अंधविश्वास है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधानमंडल ही करेगा।

दोनों पक्षों में जोरदार बहस

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उदाहरण के लिए निजामुद्दीन औलिया दरगाह को लें। वहां हर धर्म के लोग श्रद्धा से जाते हैं, लेकिन वहां जाने वालों की कोई एक समान धार्मिक मान्यता नहीं होती। इसलिए यह पहली शर्त पूरी नहीं करता। इसी तरह शिरडी साईं बाबा मंदिर में भी लोग जाते हैं, लेकिन वहां जाने वालों की कोई एक जैसी धार्मिक आस्था नहीं होती। साथ ही दरगाह या शिरडी में आने वालों का कोई साझा संगठन भी नहीं होता।

इसपर जस्टिस नागरत्ना ने कहा, बात सिर्फ 'डिनॉमिनेशन' की नहीं, बल्कि 'रिलिजियस डिनॉमिनेशन' की है। औरोबिंदो की विचारधारा के संदर्भ में यह धार्मिक संप्रदाय कैसे बनती है? उदाहरणों को अलग रखिए। औरोबिंदो कोई धार्मिक संप्रदाय नहीं है, वह एक सामान्य संप्रदाय हो सकता है।

50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं।

22 अप्रैल तक होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

ईरान तुरंत छोड़ दें भारतीय, सीजफायर के तत्काल बाद भारत ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को वहां से जल्द से जल्द निकल जाने को कहा है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने इस संबंध में एक एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद जारी की गई है।

तेहरान में भारतीय दूतावास ने बुधवार को एक ताजा एडवाइजरी जारी करके वहां अभी भी मौजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी है कि क्षेत्र में सुरक्षा हालातों की अनिश्चितता को देखते हुए वे जितनी जल्दी हो सके ईरान छोड़ दें। भारतीय दूतावास ने 8 अप्रैल, 2026 को जारी एडवाइजरी में कहा है-7 अप्रैल, 2026 की एडवाइजरी के ही क्रम में और हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए, ईरान में अब भी मौजूद भारतीय नागरिकों को बहुत ही गंभीरता से सलाह दी जाती है कि वे दूतावास के साथ तालमेल में और दूतावास के द्वारा सुझाए गए मार्गों का इस्तेमाल

करते हुए शीघ्रता से ईरान से निकल जाएं। इस बात पर जोर दिया गया है कि किसी भी सूरत में वह खुद से बिना पूर्व मंजूरी के सीमा पर स्वतंत्र रूप से यात्रा करने से बचें। ईरान में भारतीय दूतावास ने इसके लिए इमरजेंसी मोबाइल नंबर भी जारी किए हैं-

989128109115,
989128109102
989128109109
9899321793 59

ईमेल पर सहायता के लिए cons.tehran @mea.gov.in. पर सम्पर्क करने की सलाह दी गई है।

छत्तीसगढ़ में तीन दिन आंधी-बारिश का अलर्ट 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक मौसम सक्रिय रहने वाला है। प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले तीन दिनों तक तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। हालांकि इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री

सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी फिर से असर दिखाने लगेगी।

बीते 24 घंटों के दौरान उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान की गतिविधियां दर्ज की गईं, जबकि तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ।

राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश भी रिकॉर्ड की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 38.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 17.8 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं अमलीपदर में 3 सेमी, जबकि दोरनापाल, सुकमा और मुकडेगा में 2-2 सेमी बारिश हुई।

सीडीएस और एनडीए की परीक्षाएं 12 अप्रैल को

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सीडीएस परीक्षा-2026 और एनडीए परीक्षा-2026 का आयोजन 12 अप्रैल 2026 को जिले के अलग-अलग परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा। तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों की ड्यूटी भी निर्धारित कर दी गई है। सीडीएस की परीक्षा तीन पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 9 से 11, दूसरी पाली दोपहर 12:30 से 2:30 और तीसरी पाली शाम 4 से 6 बजे तक होगी। एनडीए की परीक्षा दो पालियों में सुबह 10:00 से 12:30 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित होगी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को गैंगरेप की धमकी, अश्लील कमेंट भी किये, केशकाल पुलिस ने 5 को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केशकाल की एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर निवेदिता मंडावी के खिलाफ अश्लील कमेंट किये जा रहे थे। उनके गैंगरेप की योजना बनाई जा रही थी। इसके ग्रुप चैट की भनक लगने पर निवेदिता ने पुलिस में शिकायत की। उन्होंने इस मामले से जुड़ा वीडियो भी शेयर किया। पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। निवेदिता के पिता पुलिस में डीएसपी हैं।

इंस्टाग्राम के एक कथित नशा मुक्ति ग्रुप में लड़के निवेदिता की

फोटो शेयर कर उससे गैंगरेप की बात कर रहे थे। उसके बारे में अश्लील टिप्पणी कर रहे थे। 2 महीना पहले यह चैट लीक हो गई। इस साजिश की चैट निवेदिता तक पहुंची, जिससे मामला सामने आया। निवेदिता के फैंस इसकी निंदा करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

निवेदिता मंडावी छत्तीसगढ़ की अवार्ड-विनिंग क्रिएटर हैं, जो बस्तर की रिच ट्राइबल कल्चर को गर्व से दिखाती हैं। निवेदिता बस्तर की आदिवासी परम्परा, वेशभूषा, रीतिरिवाज और खान-पन से जुड़े पोस्ट क्रिएट करती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 58.7 हजार फालोअर भी हैं। चैट लीक होने के बाद उनके फालोअर्स ने इसका विरोध शुरू कर दिया था।

हेरिटेज मैराथन में होशियारी, गाड़ी में बैठकर पूरी की दौड़

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर हेरिटेज मैराथन में होशियारी की एक दिलचस्प बात सामने आई है। कुछ लोगों ने यहां इस लंबी दौड़ के बीच में गाड़ियों की सवारी भी की थी। 42 किलोमीटर के मैराथन में 2 महिला प्रतिभागी गाड़ी के सहारे दौड़ पूरी की और फिनिश लाइन से पहले उतरकर फिर से दौड़ने लगीं। मामला सामने आने के बाद पूरे आयोजन पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर के लालबाग मैदान से चित्रकोट जलप्रपात तक 42 किमी की दौड़ हुई थी। लोहंडीगुड़ा की

प्रतिभागी प्रमिला मंडावी ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि दूसरे और तीसरे स्थान पर रही नेहा और कौशल्या नेताम ने दौड़ के दौरान वाहन का इस्तेमाल किया। शिकायत के बाद जब प्रशासन हरकत में आया और जांच शुरू की गई, तो सीसीटीवी फुटेज ने असलियत उजागर कर दी। फुटेज में साफ दिखाई दिया कि दोनों प्रतिभागी दौड़ के बीच कुछ दूरी तक एक वाहन में सवारी कर रही हैं। फिनिश लाइन से पहले वे गाड़ी से उतरकर दोबारा दौड़ में शामिल हो गईं, ताकि किसी को शक न हो। यानी जीत की यह कहानी पसीने से नहीं, बल्कि पहियों की रफ्तार से लिखी गई।

जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए दोनों प्रतिभागियों को विजेताओं की सूची से बाहर कर दिया। साथ ही टॉप-10 की संशोधित सूची जारी करनी पड़ी। प्राइज मनी भी रोक दी गई।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब-हरियाणा में इस साल 6 प्रतिशत कम बारिश होने का अनुमान

नई दिल्ली (ए.)। इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रह सकती है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने इस साल के मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके अनुसार, बारिश सामान्य से 6 प्रतिशत तक कम रह सकती है। जून से सितंबर तक मानसून के 4 महीनों में देश में बारिश का सामान्य औसत 868.6 मिलीमीटर है। सामान्य से कम मानसून का मतलब है कि बारिश 90 प्रतिशत से 95 प्रतिशत के बीच रहेगी। एजेंसी ने 94 प्रतिशत बारिश का अनुमान दिया है। जून में सामान्य बारिश होगी, लेकिन जुलाई से गिरावट शुरू होकर अगस्त और सितंबर में मानसून कमजोर पड़ेगा। खासकर अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी ज्यादा रहने के संकेत हैं।

मध्य और पश्चिम भारत के मुख्य क्षेत्रों में बारिश कम रहने के आसार हैं। अगस्त-सितंबर में मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में सामान्य से कम बारिश की आशंका है।

10वीं-12वीं बोर्ड की कापियां जांचने का काम खत्म अब निजी शिक्षक जांचेंगे सिंधी-पंजाबी की कॉपियां

राजनांदगांव। दसवी-बारहवी बोर्ड के कॉपियों की जांच पूरी कर ली गई है। सामान्य विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं को जांच के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा जा रहा है। हालांकि कुछ भाषा के कॉपियों की जांच अभी शेष है। जिनके लिए विशेषज्ञ निजी शिक्षक अपाइंट किए जाएंगे। जिले में दो चरणों में लगभग एक लाख कापियां पहुंची थीं। कुछ कॉपियां सिंधी, पंजाबी, म्युजिक और टेक्निकल विषयों से संबंधित हैं। इन विषयों के शिक्षक फिलहाल शासकीय स्कूलों में पदस्थ नहीं हैं। इसे देखते हुए अब निजी स्कूलों के शिक्षकों को विशेष तौर पर नियुक्त कर इन कॉपियों की जांच कराई जाएगी। नियम के मुताबिक तीन साल के शिक्षण अनुभव वाले निजी स्कूलों के सिंधी, पंजाबी और म्युजिक विषय के शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में नियुक्त किया जा सकता है।

राजस्थान में डिजिटल डाका; आधार आपका, अंगूठा ठग का, 400 करोड़ का महाघोटाला

जयपुर (ए.)। डिजिटल इंडिया के दौर में ठगी का एक ऐसा 'अपडेटेड' वर्जन सामने आया है जिसने सरकारी सुरक्षा तंत्र की नींद उड़ा दी है। जयपुर पुलिस ने एक्सपोर्ट इंसेंटिव फ्रॉड का भंडाफोड़ करते हुए 400 करोड़ रुपये के महाघोटाले की परतों को खोलना शुरू कर दिया है। पुलिस की रेड अब राजस्थान की सीमाओं को लांघकर दिल्ली तक पहुंच गई है, जहां कुछ सफेदपोश चेहरे पुलिस के रडार पर हैं।

कैसे हुआ 'डिजिटल डाका'?

इस घोटाले की टैगलाइन ही इसकी गंभीरता को बयां करती है 'आधार आपका, अंगूठा ठगों का।' जयपुर पुलिस की जांच में सामने आया कि

शातिर ठगों ने आम लोगों के आधार कार्ड और पैन विवरण का अवैध रूप से इस्तेमाल किया। इन दस्तावेजों के आधार पर जाली डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट तैयार किए गए। एक बार जब ठगों के पास जाली डिजिटल पहचान आ गई, तो उन्होंने सरकारी DGFT-ICEGATE सिस्टम में अनधिकृत तरीके से सेंध लगाई। यहां से शुरू हुआ करोड़ों की सब्सिडी को 'डकारने' का खेल।

योजनाओं में सेंधमारी

आरोपियों ने निर्यात उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट और राज्य और केंद्रीय करों और लेवी की छूट के तहत मिलने वाले ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स को निशाना बनाया। इन 'डिजिटल कूपन्स' को फर्जी इंपोर्टर-एक्सपोर्टर कोड वाले खातों में ट्रांसफर किया गया और बाद में इन्हें कैश करवाकर करोड़ों रुपये की चपत लगाई गई। स्पेशल कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि सोमवार को जोधपुर से हुई 5 गिरफ्तारियां तो महज 'हिमशैल का सिरा' है। पुलिस की टीमें नई दिल्ली, सीकर और जोधपुर में छापेमारी कर रही हैं।

संपादकीय

मंडी पोर्टलों की बाधा

एमएसपी हकीकत न बनने से मजबूरी में बिक्री

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल,मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है।

“ कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है।

दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं, लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं। जो फसल खरीद के वायदे और वास्तविक तैयारी के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है। कुछ आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। विशेष रूप से, हरियाणा में गेहूं की खरीद को 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन करने से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर्याप्त रूप में नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक घाटा उठाना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जो अनाज एमएसपी पर नहीं खरीदा जाता है, उसे किसान व्यापारियों को एमएसपी से 400 से पांच सौ रुपये कम दाम पर बेचने को मजबूर है। यानी एमएसपी के मूल उद्देश्य के विपरीत यह किसानों के हितों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि डिजिटलीकरण का लक्ष्य व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता लाना है। लेकिन इस प्रणाली की उपयोगिता तभी है जब सर्वर ठीक से काम कर रहा हो। साथ ही लोग इसका उपयोग बेहतर ढंग से करना जानते हों। यह प्रक्रिया छोटे और गरीब व निरक्षर किसानों को प्रोसेस से बाहर कर देती है। जिनकी सेवा का दावा व्यवस्था अक्सर करती है। एक विसंगति यह भी कि इसमें कोई बैकअप सिस्टम नहीं है। पोर्टल के फेल होने पर खरीद रुक जाती है। यदि एमएसपी का लाभ कमजोर डिजिटल प्रणाली की वजह से किसान को नहीं मिलता, तो यह किसानों का सुरक्षा कवच नहीं रह जाता है।

पंजाब व हरियाणा में मुश्किल दौर की आहट

निर्मल संधु

खाड़ी युद्ध के प्रभावों से देश का 'अन्न भंडार' कहे जाने वाले पंजाब और हरियाणा के लोगों के सामने अब अपने अस्तित्व के लिए चुनौती पैदा हो सकती है। खाद संकट से खेती की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। वहीं निर्यात की चुनौती बढ़ने के साथ श्रमिक वर्ग भी प्रभावित होगा।

किसान तरनतारन का हो या रोहतक का या फिर बिहार अथवा यूपी का कोई प्रवासी मज़दूर, उसने कभी सोचा भी नहीं होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरान में किया गया सैन्य 'दखल' एक दिन उसकी ज़िंदगी पर इतना गहरा असर डालेगा कि उसके जीवन-यापन की लागत पर बन आएगी। भले ही अब इस्राइल और अमेरिका ईरान पर बमबारी बंद कर भी दें, लेकिन अगर राज्यों के चुनावों के बाद तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो स्थिति और भी बदतर हो सकती है।

ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है और इसका असर भारतभर में महसूस किया जा रहा है। भले ही सरकार आर्थिक नुकसान के असर को ढांपने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर ले। होर्मुज़ जलडमरू के बंद होने से दुनियाभर के तेल और गैस बाज़ारों में उथल-पुथल मच गई है, जिसके चलते महंगाई तेज़ी से बढ़ी है और भोजन एवं उर्वरकों की किल्लत पैदा हो गई है। यह संकट केवल गैस सिलेंडरों के लिए मची अफरा-तफरी या किसी शहर अथवा इलाके के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लगी लंबी लाइनों तक ही सीमित नहीं है। भले ही सरकार पर्याप्त आपूर्ति सुचारु रखने का कितना भी भरोसा क्यों न दिला रही हो। इससे भी बड़ा खतरा है पूरे देश में आर्थिक मंदी छाने का, रोज़गार के अवसर छिन जाने का, और लोगों की आमदनी कम हो जाने का।

पंजाब, हरियाणा और केंद्र सरकार में सत्तासीन राजनेता, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर लगाम कसने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने, विशेष रूप से कृषि व उद्योगों को वैश्विक ईंधन कीमतों के इस भीषण प्रहार से बचाने की योजनाएं बनाने की बजाय, अपना ज़्यादातर समय और ऊर्जा केवल अखबारों की सुर्खियां बटोरने में ही खर्च कर रहे हैं। भारत द्वारा अपने पारंपरिक शुभचिंतकों—ईरान और रूस को बिना सोच-विचार किए तज देने, और हमलावर मुल्कों—अमेरिका व इस्राइल का साथ देने से स्थिति में और ज़्यादा बिगाड़ आया है। देश को न केवल तेल और गैस के आयात के लिए, बल्कि उर्वरकों, विशेष रूप से नाइट्रोजन-आधारित यूरिया खरीदने के लिए भी अब कहीं ज़्यादा दाम चुकाने पड़ रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि यूरिया उत्पादन में 30 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। चीन के बाद, भारत दुनियाभर में उर्वरकों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। आपूर्ति में किसी भी मात्रा की कटौती का सीधा मतलब है कृषि उत्पादन में कमी आना और किसानों की आमदनी में गिरावट। देश का 'अन्न भंडार' कहे जाने वाले पंजाब और हरियाणा के कई लोगों के सामने अब अपने अस्तित्व को बचाए रखने का संकट खड़ा हो सकता है। कर्ज़ चुकाना और भी मुश्किल हो सकता है, जिससे लोगों का मानसिक तनाव और भी बढ़ जाएगा। रसोई गैस सिलेंडरों की अनुपलब्धता के कारण प्रवासी मज़दूरों का जो पलायन शुरू हुआ है, अगर उसे समय रहते प्रभावी ढंग से नहीं थामा गया, तो यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है; जिसका सीधा असर इन दोनों ही राज्यों में गेहूं की कटाई और धान की रोपाई पर पड़ सकता है। खाद की कमी से अन्न उत्पादन घट जाएगा, जिससे खाने-पीने की चीज़ों की कीमतें तेज़ी से बढ़ेंगी। इससे खासकर उन परिवारों के लिए मुश्किलें खड़ी होंगी, जिन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। सरकार का अनाज और खाद पर दी जाने वाली सब्सिडी का खर्च बहुत ज़्यादा बढ़ जाएगा। साथ ही, आर्थिक विकास की धीमी गति के कारण होने वाले राजस्व के नुकसान के परिणामवश कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे पर होने वाले खर्च में कटौती करनी पड़ेगी। मध्यम वर्ग की आय या तो स्थिर हो जाएगी या फिर उसमें गिरावट आएगी। रोज़गार योजना में किए गए बदलाव के कारण पहले से ही दिहाड़ी और ठेके पर काम करने वाले मज़दूरों के लिए रोज़गार के अवसर कम हो चुके हैं। अब उन्हें काम मिलना और भी मुश्किल हो जाएगा।

विदेशी संस्थागत निवेशक शेयर और वस्तु बाज़ारों से अपना पैसा निकाल रहे हैं, जिसके कारण रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसका सीधा असर यह होगा कि आयात, विदेश यात्रा और विदेश में पढ़ाई करना और भी महंगा हो जाएगा। जैसे-जैसे लोगों के जीवन स्तर पर बुरा असर पड़ेगा, आय में असमानता और सामाजिक चिंताएं बढ़ेंगी। वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी यह विकट परिस्थिति, मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर सूबों—पंजाब और हरियाणा—के लिए अच्छे संकेत नहीं दे रही है, क्योंकि इन राज्यों में कीमतों में आया झटका ज्यादा खतरनाक है। हरियाणा में सरकार भाजपा की होने के कारण, हो सकता है केंद्र सरकार कुछ अतिरिक्त मदद कर दे और वह इस स्थिति से बेहतर ढंग से निपट पाए; लेकिन पंजाब को अपने हाल पर छोड़ दिया जाएगा। पंजाब में भाजपा के नेता, भगवंत मान सरकार को घेरने के लिए चुन-चुनकर मुद्दे तो उठाते हैं, लेकिन उन मसलों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जिन पर केंद्र सरकार का ध्यान दिलवाये जाने की ज़रूरत होती है। ताज़ा बजट से पता चलता है कि पंजाब की विकास दर 6.1 प्रतिशत है, जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है। अगर अर्थव्यवस्था इसी तरह लड़खड़ाती रही, तो राज्य पर वित्तीय दबाव और बढ़ सकता है। अगर पश्चिम एशिया का टकराव लंबा खिंचता है तो हाल ही में हुए निवेशक सम्मेलन में किए गए 55,000 करोड़ रुपये मूल्य निवेश के कई वादे सिर्फ़ कागज़ों पर ही रह जाएंगे।

पंजाब से उच्चकोटि का बासमती चावल और खेल के सामान का निर्यात का ज़्यादातर हिस्सा होर्मुज़ जलडमरू से होकर गुज़रता है, और लगभग 60 लाख टन माल बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। बीमा और शिपिंग की दरें आसमान छूने के साथ-साथ, निर्यात में अनुमानित 50 प्रतिशत की गिरावट आने की संभावना है। कपड़ा और इंजीनियरिंग सामान निर्यात करने वाली कंपनियां, भुगतान में देरी होने के कारण काफी मुश्किल में हैं। परेशान निर्यातक चाहते हैं कि केंद्र सरकार तुरंत 'वस्तु-विनिमय प्रणाली' शुरू करे जैसे कि कच्चे तेल के बदले बासमती चावल का लेन-देन। लेकिन भयावहता इतनी होने के बावजूद भी पंजाब की अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को उनकी नींद से नहीं जगा पाई है। अवसरवादिता और अल्प-कालिक चुनावी फायदों में पले-बढ़े ये नेता, आने वाले संकट के काले बादलों से बेखबर होकर, अपनी ढर्रे की राजनीति जारी रखे हुए हैं। किसी नेता की असली परख संकट के समय ही होती है। पिछले साल जब पंजाब में बाढ़ आई थी, तब भाजपा के कुछ मंत्रियों ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया था, आश्वासन दिए थे, लेकिन समय बीतने के साथ वे सब कुछ भूल गए। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1,600 करोड़ रुपये की राहत राशि पहुंचने का अभी भी इंतज़ार है। अब एक और संकट सिर पर खड़ा हो गया है और पंजाब में भाजपा के नेता इससे मुंह मोड़ रहे हैं।

समस्या यह है कि दिल्ली में बैठा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उन्हें गंभीरता से नहीं लेता, और न ही किसी मुद्दे पर उनकी राय लेना ज़रूरी समझता है। भाजपा की प्राथमिकताओं की सूची में पंजाब का स्थान कहीं बहुत नीचे है। वे चंडीगढ़ स्थित अपने दफ़्तर के बाहर हुए एक धमाके पर भी खूब शोर मचाते हैं; वे इसके लिए पंजाब सरकार को ज़िम्मेदार ठहराते हैं। भूल जाते हैं कि किसी भी केंद्र-शासित प्रदेश में शांति भंग होने की स्थिति में, इसकी ज़िम्मेदारी उन्हीं के अपने केंद्रीय गृह मंत्री की बनती है।

जहां तक आप, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल की बात है तो इनमें शायद ही कोई ऐसा पाएदार नेता है, जो किसानों और निर्यातकों की ओर से हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से कोई सार्थक प्रतिक्रिया हासिल कर पाए। इसलिए, यह जिम्मेवारी पूरी तरह से भाजपा नेतृत्व के पसंदीदा नेताओं—जैसे कि हरदीप पुरी, रवनीत सिंह बिट्टू, तरनजीत सिंह संधू और पार्टी में हाल ही में शामिल हुए वकील एचएस फूलका की बनती है कि वे प्रधानमंत्री को इस बात के लिए राज़ी करें कि वे पश्चिम बंगाल चुनावों से इतर पंजाब के बारे में भी विचार करें। पंजाब का जो जायज़ हक़ है, उसे दिलाने की कोशिश करें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एआई की तेज गति से कदम नहीं मिला पा रहे हैं हमारे कानून

नंदितेश निलय

हाल ही में कुछ ऐसी घटनाएं घटी हैं, जिन्होंने इस बहस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है कि क्या फैसले लेने की प्रक्रिया में नैतिकता और कानून को अलग रखा जा सकता है या वे दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं?

एआई कंपनी एंथ्रोपिक के मॉडल्स का इस्तेमाल हथियारों को ऑटोनोमस ढंग से दागने के लिए किया जा सकता है। हालांकि एंथ्रोपिक का मानना है कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए और युद्ध में इसके प्रयोग से बचना चाहिए। वहीं दूसरी ओर पेंटागन- जिसने इस एआई कंपनी को डेटा पर काम करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था- का मानना है कि ऐसा किया जाना चाहिए और उन मॉडल्स का इस्तेमाल युद्ध में होना चाहिए। इस फैसले का जब एंथ्रोपिक ने विरोध किया और ट्रम्प की बात नहीं मानी तो उसे बहिष्कृत कर दिया गया। उसे चीनी टेक दिग्गज हुआवेई की तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा वाली श्रेणी में डालने की धमकी भी दी गई। बाद में ट्रम्प ने तर्क दिया कि कानून ही तय करेगा अमेरिका युद्ध कैसे लड़ेगा, न कि किसी कंपनी के नैतिक सिद्धांत।

यानी कानून अपने फैसले लेने की प्रक्रिया में बिजनेस एथिक्स की उपेक्षा आसानी से कर सकता है। लेकिन आखिर कानून भी तो समाज के उस अंतिम नागरिक के हितों की रक्षा ही करता है और उसका स्वरूप नैतिकता से बंधा होता है।

इधर भारत में हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि नैतिकता और कानून को अलग-अलग रखना होगा। कोर्ट ने माना कि अगर कानून के तहत कोई अपराध नहीं बनता तो नागरिकों के अधिकारों को लेकर कोर्ट के फैसले नैतिकता या सामाजिक सहमति से प्रभावित नहीं होंगे। लेकिन क्या कोई कानून नैतिकता से भिन्न है? अगर कानून न्याय के मूल्यों को स्थापित करने की प्रक्रिया है तो नैतिकता को इससे कैसे अलग रख सकते हैं? आज डेटा से जुड़े नैतिक मुद्दे दुनिया की बड़ी चिंताओं में हैं। किसी भी मुल्क के कानून आम नागरिक की डेटा प्राइवेसी की रक्षा करने के लिए होते हैं। लेकिन एआई के तेजी से बढ़ने, बड़े पैमाने पर डेटा इकट्ठा करने के तरीकों, लगातार उल्लंघनों, रेगुलेटरी बंटवारे और लोगों के बढ़ते भरोसे की वजह से यह चिंता और बढ़ती जा रही है। एआई के युग में फैसले लेने का मुख्य स्रोत डेटा ही है, लेकिन इसका प्रयोग अक्सर प्राइवेसी, ऑटोनॉमी, निष्पक्षता और भेदभाव न करने जैसे बुनियादी अधिकारों से टकराता रहा है, जो नैतिकता और कानून के पृथक होने के प्रश्न को और गहराता है।

आज आप अपने फोन के वेब ब्राउज़र या किसी एप में कुछ भी टाइप करते हैं तो अगले ही पल वह डेटा आपके स्क्रीन पर सूचनाओं की लंबी श्रृंखला रच देता है। आपको लगता है कि जो आप सोच रहे हैं, तकनीकी भी वही ढूंढ रही होती है।

लेकिन कंपनियां अकसर बिना किसी सूचना और सहमति के पर्सनल डेटा इकट्ठा करती हैं और उसमें लोकेशन, ब्राउजिंग हिस्ट्री, बायोमेट्रिक्स, आवाज, भावनाएं, सोशल कनेक्शन- सबकुछ शामिल है। क्या कानून या नैतिकता के आधार पर यह सही है? एंथ्रोपिक वाली घटना का एक नैतिक पहलू यह भी है कि कानून बनाने वाले ही तय करते हैं कि तकनीक का विकास या प्रसार कितना और कैसे होगा। लेकिन लगता है जैसे कानून अभी भी एआई के विकास की द्रुत गति से काफी पीछे है। इसलिए किसी भी प्रजातंत्र में जब तक वोटर इस मामले पर कोई फैसला नहीं ले लेते, तब तक नैतिकता की जिम्मेदारी कानून बनाने वालों और उनका इस्तेमाल करने वालों, दोनों को मिलकर उठानी होगी। एंथ्रोपिक का केस हो या डेटा से जुड़े नैतिक मुद्दे, कानून के साथ-साथ वह मोरल-कम्पास तो उन फैसलों की रूह में होना ही चाहिए, जो पूरे मानव समाज को प्रभावित करते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ममता का विजय रथ रोकने को भाजपाई चक्रव्यूह

केवल तिवारी

वामपंथ के किले को ढहाकर सत्ता में आईं ममता बनर्जी लगातार तीन बार से मुख्यमंत्री हैं। चौथी बार सत्ता पर काबिज होने की कोशिश में जुटी टीएमसी कई मुद्दों पर भाजपा को घेर रही है।

पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में इस बार मुकाबला बहुकोणीय लग रहा है। मुख्य मुकाबला प्रदेश में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के बीच है। कई मामलों में बेहद अहम इस राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है। राज्य में भाजपा के मुकाबले अन्य पार्टियों की एकता नहीं बन पायी। अनेक वामपंथी संगठनों को इस बात का मलाल है कि भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर नहीं लड़ा जा रहा है। वामपंथ के किले को ढहाकर सत्ता में आईं ममता बनर्जी लगातार तीन बार से मुख्यमंत्री हैं। चौथी बार सत्ता पर काबिज होने की कोशिश में जुटी टीएमसी कई मुद्दों पर भाजपा को घेर रही है।

पड़ोसी राज्य असम की तरह ही पश्चिम बंगाल में भी कुछ समीकरण समान लग रहे हैं। असम में पूर्व में कांग्रेसी रहे हैं, फिर से कुर्सी संभालने की जुगत में हैं तो यहां कभी ममता के करीबी रहे सियासी धुरंधर उनकी राजनीतिक पिच को खोदने में लगे हैं। बात चाहे भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की हो या फिर अलग पार्टी बनाकर मैदान में उतरे हुमायूं कबीर की। इन सबके बीच कांग्रेस अपने तरीके से जोर लगा रही है और वामपंथियों को उम्मीद है कि उनका वोट शेयर इस बार बढ़ेगा। अलग-अलग सियासी दलों के मैदान में उतरे होने से मुद्दे भी उतने ही ज्यादा हैं। यानी मुद्दों की खिचड़ी को पकाने की कोशिश की जा रही है, जबकि 'माछ-भात' को राजनीति की 'डाइनिंग टेबल' पर परोसे जाने की भी कोशिश है।

चुनाव की घोषणा होते ही निर्वाचन आयोग ने राज्य के कई शीर्ष अफसरों का तबादला कर दिया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा के इशारे पर हो रहा है। राज्य सरकार इन तबादलों के खिलाफ हाईकोर्ट भी गयी, हालांकि कलकत्ता हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग की ओर से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के किए गए तबादले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। इधर, केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा इस बार पिछली बार के मुकाबले ज्यादा जोर लगाती दिख रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार 15 दिन राज्य में रहे। शाह भाजपा के मुख्य चेहरा शुभेंदु अधिकारी के नामांकन के दौरान भी मौजूद रहे। अधिकारी, ममता को उन्हीं के गढ़ में चुनौती दे रहे हैं और दो जगहों से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि भाजपा ने अभी किसी को भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि पार्टी ने इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके विकास के एजेंडे के नाम पर वोट मांगेगी।

चुनावी रण में रोचक मुद्दों के बीच, पश्चिम बंगाल का मशहूर 'माछ-भात' (मछली की तरीदार सब्जी और चावल) को राजनीति की मेज पर लाने की कोशिश हो रही है। भाजपा जहां हिंदुत्व को मुद्दा बनाने की शुरू से ही कोशिश में रही है, वहीं टीएमसी 'माछ-भात बंगाली' को मुद्दा बना रही है। इस मसले का कोई विरोध कर भी नहीं सकता। असल में, टीएमसी ने इस भावना को सियासी धार देने की कोशिश करते हुए तर्क दिया है कि भाजपा हिंदी भाषी व उत्तर भारत की शाकाहार-समर्थक राजनीति से जुड़ी है और पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक पहचान के साथ उसका कोई मेल नहीं। पार्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल प्रवास के दौरान भी तंज कसा कि आप राजनीति की रोटियां सेकने आए हैं तो माछ-भात का लुत्फ जरूर उठाएं। एसआईआर की सुप्रीम जांच के आदेश के बीच, न्यायिक अधिकारियों की घेराबंदी को भाजपा जोरशोर से उठा रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी रैली में इसे उठा रहे हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में सबसे मुखर रहने वालीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा को कई अन्य मुद्दों पर भी घेर रही हैं। भाजपा घुसपैठ के मुद्दे को पकड़े हुए है। कांग्रेस और वामपंथियों की कोशिश स्थानीय मुद्दों को हवा देने की है। सत्ता-विरोधी लहर की चुनौती भी झेल रही ममता के भतीजे अभिषेक 'फायर ब्रांड' नेता की तरह उभरे हैं। उनकी इस छवि को जनता कितना तवज्जो देगी, यह तो समय बताएगा।

हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की जोड़ी अल्पसंख्यक वोटों में सेंध लगाने की कूवत रखती तो दिख रही है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी ने टीएमसी के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी का समर्थन किया है। कबीर ने 'बाबरी' मस्जिद की नींव रखकर मुस्लिम मतदाताओं पर डोरे डालने की कोशिश की है। सियासत के इस बदलाव के बीच कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज में दुष्कर्म और हत्या का मामला भी मुद्दा बना है। पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने मृतक छात्रा की मां रत्ना देबनाथ को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता निर्मल घोष के बेटे तीर्थंकर घोष से है। देखना होगा कि मुद्दों की खिचड़ी में 'माछ-भात बंगाली' क्या गुल खिलाएगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मोर तरिया आय के जरियाफ के महत्व, रोजगार सह आवास दिवस का आयोजन

दुर्ग। जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम पंचायत मेड़ेसरा में रोजगार दिवस सह आवास दिवस का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष पवन शर्मा, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र साहू, सरपंच श्रीमती राजेश्वरी देशलहरे सहित अन्य ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत मोर तरिया - आय के जरिया पहल का शुभारंभ किया गया। इस पहल के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीणों के लिए आय के नए स्त्रोत विकसित करने पर जोर दिया गया। महिला स्व-सहायता समूहों के साथ विस्तृत चर्चा कर मोर तरिया की कार्ययोजना तैयार की गई तथा जल एवं स्वच्छता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आजीविका संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर 10 नए तरिया (तालाब) की स्वीकृति भी प्रदान की गई। न्यूनतम 80×80 मीटर आकार के तालाब निर्माण हेतु उपयुक्त स्थल चयन क्लस्टर एवं जलधारा के आधार पर किया गया, जिससे महिलाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर सृजित होंगे।

बीएसपी में नारी शक्तिः ठेका श्रमिक विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन - आईआर एवं सीएलसी द्वारा 03 अप्रैल, 2026 को मानव संसाधन विकास केन्द्र में नारी शक्तिः ठेका श्रमिक विशेष कार्यक्रम का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला ठेका श्रमिकों को सशक्त बनाना, उन्हें विभिन्न सामाजिक एवं कार्यस्थलीय पहलुओं के प्रति जागरूक करना तथा उनके योगदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार रहें व विशिष्ठ अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक प्रभारी संजीव श्रीवास्तव तथा महाप्रबंधक विकास चंद्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं संयंत्र की अनेक महिला अधिकारी भी उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में पवन कुमार ने महिला ठेका श्रमिकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है, जिससे व्यक्ति न केवल स्वयं बल्कि अपने परिवार एवं समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वहीं महाप्रबंधक जे. एन. ठाकुर ने श्रमिकों से स्थानीय छत्तीसगढ़ी भाषा में संवाद करते हुए संयंत्र द्वारा ठेका श्रमिकों के हित में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी।

महापौर सिन्हा ने 12.08 लाख लाभ का बजट सदन में किया प्रस्तुत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने मंगलवार को 223 करोड़ 51 लाख रूपए का 2026-27 के लिए बजट प्रस्तुत की। महापौर के 23 मिनट के बजट अभिभाषण प्रस्तुत करने के सवा तीन घंटे बाद सभापति केशव बंछोर के विशेष सभा में बजट संकल्प पारित कराया। अभिभाषण के बाद नगर पालिक निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने चर्चा की शुरूआत की।

महापौर शशि सिन्हा ने अपने बजट अभिभाषण में कहा कि वर्ष 2026-27 नगर पालिक निगम रिसाली के वित्तीय योजनाओं का महत्वपूर्ण बजट है। हमने समस्त नागरिकों के साथ मिलकर सेवा का अवसर प्राप्त किया है। हमने संकल्प लिया है कि रिसाली को स्वच्छ सुंदर व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करेंगे। उन्होंने अपने बजट अभिभाषण में वर्ष 2025-26 में हुए कार्यों को उपलब्धि पूर्ण बताया। साथ ही आने वाले समय में अनुमानित बजट को सदन में रखते हुए सभी से अनुरोध किया कि यह लाभ का बजट नागरिकों के हित में है। महापौर शशि सिन्हा ने अपनी बजट अभिभाषण में अब तक किए कार्यो का उल्लेख की। सवा तीन घंटे के चर्चा उपरांत सभापति केशव बंछोर ने शाम 6:15 बजे बजट को विशेष सभा में अंगीकार कराया। बजट के लिए बुलाए गए विशेष सभा में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू और सत्ता पक्ष की ओर से पार्षद चन्द्रभान ठाकुर ने चर्चा की शुरूआत की।

महापौर के बजट अभिभाषण के बाद सभापति केशव बंछोर ने बजट पर चर्चा के लिए सदन के विशेष सभा में उपस्थित पार्षदों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया। कुछ देर बाद सभापति ने 20 मिनट टी ब्रेक करने अवकाश की घोषणा की। सदन के पुनः आरंभ होने पर विशेष सभा में नेताप्रतिपक्ष विधि यादव और सत्तापक्ष के पार्षद चन्द्रभान ठाकुर के विषय पर गहमा गहमी हुई। प्लेसमेंट कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु पर जिम्मेदारी किसकी की बात कहते सवाल जवाब करते विपक्ष के पार्षद गर्भगृह में आकर बैठ गए।

वहीं इसके पूर्व सत्तापक्ष के ही पार्षद चन्द्रभान ठाकुर ने ई.डब्ल्यू.एस. की जमीन का विवरण बजट पुस्तिका में नहीं होने का उल्लेख करने का प्रश्न सदन में उठाया था। दोनों ही विषय पर सभापति ने सदन में विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी गम्भीर होकर संबंधित विषय में कार्यवाही कर पार्षदों को सूचना दे।

महापौर ने बताई उपलब्धि

- वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यो का उल्लेख महापौर शशि सिन्हा ने सदन में रखा। उन्होंने विशेष सम्मिलन में जानकारी दी कि अधोसंरचना मद के तहत 182 निर्माण कार्यो के लिए 13 करोड़ 36 लाख स्वीकृति हुई है।
- केन्द्र प्रवर्तित योजना 15वें वित्त अंतर्गत 21 करोड़ 47 लाख की लागत से कार्य कराए जाऐंगे। इस कार्य में डामरीकरण, मार्ग संधारण, सड़क पेच रिपेयरिंग, पाइप लाइन विस्तारीकरण, ओवर हेड टैंक निर्माण, वाहन आदि कार्य शामिल है।
- नगरोत्थान योजनांतर्गत 17 करोड़ 23 लाख की लागत से विकास कार्य पूर्ण किए जाऐंगे।
- सीएसआर मद से 01 करोड़ 32 हजार की लागत से अलग-अलग वार्डो में कार्य किए जाऐंगे। पार्षद निधि से 02 करोड़ 40 लाख् की स्वीकृति दी गई है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव पहुँचे स्कूल, बच्चों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज दुर्ग के शनिचरी बाजार स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल प्राथमिक स्कूल पहुँचे। यहाँ उन्होंने स्कूल परिसर का निरीक्षण किये और बच्चों से सीधे बात कर उनकी पढ़ाई और जरूरतों के बारे में जानकारी ली। शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की आज दुर्ग के सरदार वल्लभ भाई पटेल प्राथमिक स्कूल पहुँचकर बच्चों से संवाद किये। बच्चों के साथ स्कूल परिसर का निरीक्षण कर बच्चों द्वारा बताई गई आवश्यकताओं को शीघ्र पूरा करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान स्कूल के शिक्षको से बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए गंभीरता से कार्य करने कहा, विद्यार्थियों की मजबूत शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की आज दुर्ग के शनिचरी बाजार स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं एवं सीखने के अनुभवों की जानकारी ली। स्कूल में तैयार हो रहे स्मार्ट क्लास को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आगामी सत्र से स्कूल में स्मार्ट क्लास से पढ़ाई होगी। आधुनिक शिक्षा सुविधाओं से बच्चों को बेहतर सीखने का अवसर मिलेगा और उनका भविष्य और अधिक सशक्त होगा। हमारा प्रयास है कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार हो और हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षा प्राप्त हो सके।

मंत्री यादव ने आगे कहा की प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। स्कूल के शिक्षको से चर्चा कर स्कूल की सभी गतिविधियों का विस्तार से जानकारी लेकर शिक्षा के साथ खेलकुद और अन्य गतिविधियों पर भी जोर देने कहा ताकी बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर, पार्षद नरेंद्र बंजारे, मनीष कोठारी, गोविन्द देवांगन, श्रीमति हर्षिका संभव जैन, दिनेश देवांगन, अमित पटेल, नवीन साहू सहित वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

उचित मूल्य की दुकान पहुंचे मंत्री यादव, स्वयं हितग्राही को चावल मापकर मशीन की सटीकता जांचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा अंतर्गत गयानगर वार्ड 04 में आज वार्ड भ्रमण के दौरान उचित मूल्य की दुकान का केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने औचक निरीक्षण किये। इस दौरान वहां उपस्थित हितग्राहियों से सीधे संवाद कर राशन वितरण व्यवस्था की जानकारी लिए एवं उन्हें मिलने वाली राशन सामग्री के संबंध में विस्तार से चर्चा किये।

शिक्षा,ग्रामोद्योग विधी एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने निरीक्षण के दौरान स्वयं हितग्राही को चावल मापकर दुकान में उपलब्ध माप यंत्र की सटीकता की जांच की किये, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को निर्धारित मात्रा में पूर्ण एवं सही राशन प्राप्त हो। इस पहल से वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और आम नागरिकों का विश्वास सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया। मंत्री श्री यादव ने वार्डवासियों से चर्चा के दौरान उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए सरकार और प्रशासन निरंतर निगरानी, जनता से संवाद किया जाता है।

पीपरछेड़ी में विकास कार्यों की सौगात, विधायक ललित चंद्राकर ने किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पीपरछेड़ी में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर नए कार्यों की आधारशिला रखी तथा पूर्ण हो चुके कार्यों को जनता को समर्पित किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि इन कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, हर गाँव-मोहल्ले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा संकल्प है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूलमंत्र पर सरकार कार्य कर रही है। किसानों के लिए कृषक उन्नति योजना, गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु महतारी वंदन योजना और शिक्षा व्यवस्था सुधार के लिए शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य राजेन्द्र ठाकुर, सरपंच ललिता निषाद, पंचगण रामावतार यादव, श्रवण निषाद, सुरेश यादव, सुमित्रा मांडवी, ललिता यादव, मंजू मांडवी, राकेश गोस्वामी, शिव साहू, महेश निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्कूलों में बायोमेट्रिक अपडेट कार्य शीघ्र पूरा करें- कलेक्टर

जनगणना कार्य में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष परिस्थितियों में ही मिलेगा अवकाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जनगणना कार्य को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षकों को समय पर प्रशिक्षण दिया जाना अनिवार्य है। इसके लिए इंचार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त भवनों का चयन कर प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उनका अवकाश स्वीकृत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाए। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का होगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में परिवारों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित करने के लिए किया जाएगा।

बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। सभी पंचायतों में पंजीयन कार्य प्रारंभ हो चुका है, लेकिन जहां अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां के सचिवों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन पंचायतों में प्रकरण दर्ज हो चुके हैं, वहां संबंधित एसडीएम को नियमित समीक्षा कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट कार्य की भी समीक्षा की। कलेक्टर के मार्गदर्शन में शासकीय और निजी स्कूलों में यह कार्य निरंतर जारी है।

वर्तमान में कई स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं और कुछ में समाप्त हो चुकी हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों की उपस्थिति कम है। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूल प्राचार्यों के साथ समन्वय स्थापित कर निःशुल्क बायोमेट्रिक अपडेट कार्य को शीघ्र पूर्ण कराए।

बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों से होगी धूल-मुक्त सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए दुर्ग नगर पालिक निगम ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों का उपयोग शुरू कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य शहर में बढ़ते धूल प्रदूषण को नियंत्रित करना और वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है।

महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्रकार, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद देव नारायण तांडी, अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कर्मशाला अधीक्षक शोयब अहमद सहित निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर दो मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई मशीनें वैक्यूम वायु तकनीक पर आधारित हैं, जो सड़कों पर जमा धूल, रेत और छोटे मलबे को प्रभावी ढंग से हटाने में सक्षम हैं। इससे न केवल सड़कों की सफाई बेहतर होगी, बल्कि धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी। अब मुख्य मार्गों, चौड़ी सड़कों और कॉलोनियों में मैन्युअल झाड़ू के स्थान पर मशीनों से सफाई की जाएगी।

नगर निगम द्वारा फिलहाल दो स्वीपिंग मशीनें खरीदी जा रही हैं। वहीं, जिन तंग गलियों और आंतरिक मार्गों तक मशीनें नहीं पहुंच पाएंगी, वहां सफाई की जिम्मेदारी निगम के सफाई कर्मियों को सौंपी गई है, जिससे पूरे शहर में संतुलित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित हो सके। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर और धूल-मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मशीनीकृत सफाई व्यवस्था से न केवल कार्य में तेजी आएगी, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी मिलेगा। यह पहल दुर्ग शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

बीएसपी में ऑनलाइन एनआरएल आवेदन मॉड्यूल का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सी एंड आईटी विभाग द्वारा 03 अप्रैल, 2026 को डिजिटल परिवर्तन की दिशा में निरंतर प्रयासों के अंतर्गत ऑनलाइन एनआरएल (नॉन-रिफंडेबल लोन) आवेदन मॉड्यूल का सफ्लतापूर्वक प्रदर्शन एवं शुभारंभ इस्पात भवन स्थित फाइनेंस कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस मॉड्यूल का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं एसीवीओ सुनील सिंगल, मुख्य महाप्रबंधक पी. के. चोखानी, मुख्य महाप्रबंधक राजीव महेंद्रु तथा महाप्रबंधक नीना जायसवाल हित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस मॉड्यूल का विकास वरिष्ठ प्रबंधक इरफान हुसैन सिद्दीकी एवं उनकी टीम द्वारा महाप्रबंधक संदीप झा के नेतृत्व में किया गया है।

अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए इस पहल को प्रवर्तनम - ए लीप टुवड्र्स डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण एवं कर्मचारी-हितैषी कदम बताया। उन्होंने वित्त विभाग के महाप्रबंधक रामकृष्ण भट्टाचार्य, राजेश गोविंदन एवं उनकी टीम के सहयोग की भी प्रशंसा की, जिनके समन्वित प्रयासों से इस मॉड्यूल का सफ्ल विकास संभव हो सका। वहीं मुख्य महाप्रबंधक एवं एसीवीओ सुनील सिंगल ने अपने उद्बोधन में इस प्रणाली को निवारक सतर्कता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप से युवाओं को मिलेगा प्रशासनिक क्षेत्र में करियर का अवसर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के युवाओं को सुशासन और पब्लिक पॉलिसी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के तहत संचालित दो वर्षीय MBA इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस क्रम में भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के प्रतिनिधि बिनॉय टी एवं एस.एन. मंडल द्वारा जशपुर सहित प्रदेश के उत्तरी जिलों का दौरा कर विद्यार्थियों को इस कोर्स की जानकारी दी जा रही है। टीम द्वारा विभिन्न इंजीनियरिंग एवं स्नातक महाविद्यालयों में पहुंचकर कार्यक्रम की विशेषताओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। साथ ही पंपलेट वितरण के माध्यम से भी अधिक से अधिक युवाओं तक जानकारी पहुंचाई जा रही है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन एवं ढुढ्रूरायपुर के संयुक्त प्रयास से संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की पूरी फीस राज्य शासन द्वारा वहन की जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रति माह 50 हजार रूपए की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की विशेषता यह है कि अभ्यर्थियों को IIM रायपुर में उच्च स्तरीय कक्षा शिक्षण के साथ-साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण (फील्ड एक्सपोजर) का अवसर भी मिलेगा, जिससे उन्हें नीति निर्माण और प्रशासनिक कार्यों का वास्तविक अनुभव प्राप्त होगा। यह फेलोशिप विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिए उपलब्ध है तथा इसमें राज्य शासन की आरक्षण नीति लागू होगी। इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन के लिए IIM रायपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अंतर्गत 30 सितम्बर तक कर सकते हैं आवेदन

कोंडागांव। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कोण्डागांव की ओर से सभी उद्यमियों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की अवधि बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह योजना 31 मार्च 2026 तक ही लागू थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 तक कर दिया गया है। इस योजना के तहत हालर मिल, मसाला उद्योग, आटा चक्की, पापड़, बेकरी, नमकीन और मिठाई निर्माण जैसे विभिन्न खाद्य उत्पादों के लिए सरकार द्वारा 35 प्रतिशत (अधिकतम 10 लाख रुपये तक) अनुदान का प्रावधान है। इच्छुक व्यक्तिगत उद्यमी, महिला स्वयं सहायता समूह या सहकारी समितियां कोटेशन, पैन कार्ड, आधार कार्ड, बिजली बिल और पिछले 6 माह के बैंक स्टेटमेंट जैसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ जिला स्रोत व्यक्ति के माध्यम से 30 सितंबर 2026 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। साथ ही, जिले के सभी बैंक प्रबंधकों से भी अनुरोध है कि योजना की बढ़ी हुई समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कर उन्हें स्वीकृति प्रदान करें।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के बाद साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की मांगों एवं समस्याओं को सुना। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम सलना डूमरापारा के ग्रामीणों ने शासकीय प्राथमिक शाला के खेल मैदान की जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत करते हुए खेल मैदान को सुरक्षित रखने की मांगी की, जिस पर एसडीएम केशकाल को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

रासायनिक खाद की कालाबाजारी करने वाले जेल जाएंगे

उर्वरक की नहीं होगी कमी, जैविक खेती के लिए किसानों को रहे हैं प्रोत्साहित, अधिकारियों को नवाचार और फसल परिवर्तन पर जोर देने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रासायनिक उर्वरकों की कालाबाजारी करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई तय है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि खाद की जमाखोरी या अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गड़बड़ी पाए जाने पर सीधे जेल भी भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट के कारण रासायनिक उर्वरकों की कमी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार पूरी तरह सजग है। खाद की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आपूर्ति और बेहतर होगी, इसलिए किसानों को किसी भी प्रकार से घबराहट या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। कृषि मंत्री नेताम ने आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित समेति कक्ष में रायपुर और दुर्ग संभाग के अधिकारियों की आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान इस आशय के वक्तव्य दिए।

मंत्री नेताम ने बताया कि राज्य सरकार खरीफ2026 की तैयारियों को लेकर पूरी तरह सक्रिय है और उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। जिलों के संबंधित विभागीय अमले को नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके।

मंत्री नेताम ने बैठक में आगामी 5 मई से 20 मई तक पूरे प्रदेश में विकसित भारत संकल्प अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों और मैदानी अमले की टीम गांव-गांव जाकर किसानों, किसान समूहों और संगठनों से सीधे संवाद करेगी। इस दौरान किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, वैकल्पिक उर्वरकों और आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान कृषि के साथ-साथ अन्य विभाग जैसे-मछली पालन, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ भाग लेंगे, जिसमें विभिन्न विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार तथा विभागीय प्रकरण तैयार करने हेतु निर्देशित किया।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान को प्राथमिकता और गंभीरता के साथ संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मौके पर ही किसानों की समस्याओं का समाधान और योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि पिछले वर्ष डीएपी की आपूर्ति में आई बाधाओं को देखते हुए इस बार एनपीके, एसएसपी और अन्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सरकार का फोकस केवल उर्वरक उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि खेती को अधिक टिकाऊ, लाभकारी और आधुनिक बनाने पर है। किसानों की आय बढ़ाने और लागत घटाने के उद्देश्य से दलहन, तिलहन और अन्य वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने की रणनीति पर भी तेजी से काम किया जा रहा है।

बैठक में फार्मर आई डी के तहत एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन हेतु शेष बचे हुए कृषकों का एक सप्ताह के भीतर पंजीयन करने हेतु निर्देश दिए गए ताकि कोई भी किसान पी.एम.किसान योजना से लाभान्वित होने से वंचित न रहे। उन्होंने खरीफ सीजन में किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक व्यवस्था हेतु दूरस्थ अंचलों में प्राथमिकता के आधार पर उर्वरक का भण्डारण करने हेतु निर्देशित किया। मंत्री श्री नेताम ने विभागीय योजनाओं में वर्ष 2025-26 में हुए व्यय की समीक्षा के दौरान विशेष रूप से फसल प्रदर्शन योजना एवं ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन-तिलहन को बढावा देने हेतु समीक्षा की, जिसमें रायपुर संभाग के अधीन जिलों में और अधिक प्रयास कर ग्रीष्मकालीन धान के रकबे को कम करके दलहन तिलहन एवं मक्का फसल को बढावा देने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही धमतरी जिले में विगत् दो वर्षो में दलहन तिलहन के रकबे में वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की गई तथा अन्य जिलों में भी दलहन एवं तिलहन के रकबे में वृद्धि करने हेतु निर्देशित किया गया। मंत्री नेताम ने रायपुर और दुर्ग संभाग के पी.एम.आशा की समीक्षा के दौरान पाया कि धमतरी जिले को छोडकर अन्य जिलों में प्रगति नगण्य है आगामी एक सप्ताह के भीतर मार्कफेड, नाफेड एवं समिति स्तर पर समन्वय करके दलहन तिलहन की खरीदी हेतु और अधिक प्रयास करने पर बल दिया।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में वाटर बॉडी में मखाना एवं सिंघाडा की खेती के लिए उद्यानिकी विभाग को विशेष कार्ययोजना बना कर कृषक एवं कृषक समूहों से आवश्यक चर्चा कर उन्हें प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मखाना की खेती हेतु जिला धमतरी में किए गए कार्य की सराहना की गई। मखाना की खेती के साथ-साथ मछली पालन के लिए किसानों को जागरूक करने निर्देश दिए।

आई-गॉट में सभी विभागों को ऑन-बोर्ड होना जरूरीः मुख्य सचिव

सभी अधिकारी कर्मचारी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होंगे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य शासन के सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट ट्रेनिंग कार्यक्रम से अपने विभाग को अनिवार्य रूप से ऑन-बोर्ड कर लें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ऑन-बोर्ड हो जाये मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होने को कहा है।

राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभागीय स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे अपने-अपने विभाग की आवश्यकता अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स तय कर लें, जिससे उन्हे प्रशिक्षित किया जा सके। आज आई-गॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत साधना सप्ताह के मौके पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य शासन के विभागों के प्रमुख अधिकारी सहित विभागीय सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव, अनुभाग अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी जिलों के प्रमुख अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए।

कार्यशाला के प्रारंभ में बताया गया की कर्मचारियों को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म आई-गॉट और ई-एच.आर.एम.एस. से जुड़ते हुए उनकी क्षमता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि 'आई-गॉट' प्लेटफॉर्म पर ए.आई का उपयोग बढ़ रहा है और यह कर्मचारियों को स्मार्ट एवं प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने शत् प्रतिशत ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने पर जोर दिया।

कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों को यह भी अवगत कराया गया कि प्रशिक्षण केवल कौशल विकास तक ही नहीं, बल्कि जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे प्रत्येक कर्मचारी अपने विभाग की योजनाओं और कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।

ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से बड़ा मुनाफा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कृषि को लाभकारी बनाने की दिशा में शासन की योजनाएं अब जमीन पर असर दिखाने लगी हैं। मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम खुटेरा के किसान श्री बसदेव राजपूत ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर सीमित भूमि में उल्लेखनीय आय अर्जित कर एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

करीब 1.70 हेक्टेयर भूमि के स्वामी राजपूत ने अपनी कुल जमीन में से लगभग 1 एकड़ क्षेत्र में उद्यानिकी फसल के रूप में ग्राफ्टेड बैंगन की खेती की। उन्होंने परंपरागत खेती के बजाय ड्रिप इरिगेशन सिस्टम और प्लास्टिक मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। शासन की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन के साथ लगभग 30 हजार रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ। इस सहायता ने खेती की लागत को कम करने और आधुनिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया। श्री राजपूत को प्रति एकड़ लगभग 130 क्विंटल बैंगन का उत्पादन प्राप्त हुआ। बाजार में 15 से 20 रुपये प्रति किलोग्राम के थोक मूल्य पर फसल की बिक्री कर उन्होंने कुल लगभग 1 लाख 95 हजार रुपये की आय अर्जित की, जबकि उनकी कुल लागत लगभग 62 हजार रुपये रही। इस प्रकार उन्हें करीब 1 लाख 33 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जो पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक है। श्री राजपूत का कहना है कि उन्नत तकनीकों के उपयोग से न केवल उत्पादन में वृद्धि हुई है।

कमार जनजाति के जीवन में बदलाव की नई कहानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने वाली कमार जनजाति के जीवन में अब बदलाव की नई तस्वीर नजर आने लगी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन ने कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखंड के मावलीपारा, बिहावापारा, मारवाड़ी, धनोरा, सांईमुण्डा, मुसुरपुट्टा, दुधावा, बासनवाही, गंवरसिल्ली, भैंसमुण्डी, दलदली, बादल और डोमपदर गांव में रहने वाले विशेष रूप से पिछड़े कमार समुदाय के जीवन स्तर को नई दिशा दी है।

इन 13 गांवों में रहने वाले 72 परिवारों की 283 की आबादी अब योजनाओं के जरिए मुख्यधारा से जुड़ रही है। इस समुदाय के लोगों को स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। हर घर तक नल-जल योजना का लाभ पहुंचा है, वहीं मोबाइल मेडिकल यूनिट और आंगनबाड़ी सेवाओं से स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति भी सुधरी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 22

परिवारों को पक्के मकान मिल चुके हैं। सड़कों के निर्माण से गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, जिससे बाजार और अन्य सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है।

केंद्र और राज्य की योजनाओं के समन्वय से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाते, पीएम किसान सम्मान निधि और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाओं से भी कमार परिवारों को जोड़ा गया है। 09 केंद्रीय मंत्रालयों के सहयोग से संचालित 11 गतिविधियों के माध्यम से इन पीवीटीजी परिवारों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया गया है।

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी से स्वास्थ्य विभाग को मिले 2,220 आधुनिक चिकित्सा उपकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में राजधानी रायपुर के शासकीय अस्पताल, पंडरी में चिकित्सा उपकरणों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है और इसी कड़ी में

आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि इन आधुनिक उपकरणों के माध्यम से मरीजों को बेहतर, त्वरित एवं प्रभावी उपचार का लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के कुल 2,250 चिकित्सा उपकरण स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराए गए, जिससे अस्पतालों में उपचार सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं, बल्कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में भी सहायक होती हैं।

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

उक्त चिकित्सा उपकरण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ट्रस्क) मद के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं, जो समाज और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संस्थागत सहयोग का एक सराहनीय उदाहरण है।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद बदली तस्वीर

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना बनी ग्रामीणों के लिए वरदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी नक्सल प्रभाव और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जिन गांवों के लोग अपने ही क्षेत्र में सीमित रहने को विवश थे, आज वही ग्रामीण निर्भय होकर शहरों तक आवागमन कर रहे हैं। माओवाद के खात्मे और सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ होने के साथ-साथ शासन की जनहितकारी योजनाओं ने सुकमा जिले के दूरस्थ अंचलों में विकास की नई इबारत लिखनी शुरू कर दी है।

इसी परिवर्तन का सशक्त उदाहरण मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के रूप में सामने आया है, जिसने वनांचल और अंदरूनी क्षेत्रों के जनजीवन को नई गति प्रदान की है। सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम लखापाल, केरलापेंदा और नागाराम सहित आसपास के गांवों के लिए अब दोरनापाल तक पहुंचना सहज और सुरक्षित हो गया

है। पूर्व में ग्रामीणों को मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए 8 से 10 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता था। ग्राम लखापाल के निवासी कूड़ाम जोगा बताते हैं कि बस सेवा प्रारंभ होने से पहले चिंतलनार तक पैदल जाना उनकी मजबूरी थी। कई बार बस छूट जाने के कारण पूरा दिन व्यर्थ चला जाता था और आवश्यक कार्य अधूरे रह जाते थे। अब दोरनापाल-नागाराम मार्ग पर नियमित बस सेवा प्रारंभ होने से यह समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत संचालित बस सेवा अब पोलमपल्ली, कांकेरलंका, चिंतागुफा, चिंतलनार, लखापाल, केरलापेंदा और नागाराम जैसे गांवों के समीप से गुजर रही है। इससे ग्रामीण अब आसानी से बस के माध्यम से दोरनापाल पहुंचकर अपने दैनिक कार्य समय पर पूर्ण कर रहे हैं और उसी दिन सुरक्षित वापस भी लौट पा रहे हैं। यह सुविधा विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, विद्यार्थियों एवं श्रमिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

जहां पहले नक्सलियों के भय के कारण ग्रामीणों का बाहर निकलना भी कठिन था, वहीं अब सुरक्षा वातावरण में सुधार के चलते वे निर्भय होकर रोजगार, व्यापार, शिक्षा और उपचार के लिए शहरों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। बस सुविधा ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान की है।

इरकमपल्ली निवासी मोहनरंजन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रही है। इससे न केवल कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिला है।

कलेक्टर अमित कुमार के अनुसार, पूर्व में नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ क्षेत्रों में वर्तमान में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 10 बसों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 5 'हक्कुम मेल' बसें भी नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। बस संचालन को प्रोत्साहित करने हेतु शासन द्वारा सब्सिडी प्रदान की जा रही है तथा तीन वर्षों के लिए रोड टैक्स में छूट भी दी गई है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना अब केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि सुकमा जिले के ग्रामीण अंचलों में विश्वास, सुरक्षा और विकास का प्रतीक बन चुकी है। नक्सलवाद के अंधकार से निकलकर यह क्षेत्र अब प्रगति और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर है, जहां हर सफर अब नई संभावनाओं की ओर ले जा रहा है।

जिंदगी की जंग में बना सहाराः आयुष्मान भारत और महारानी अस्पताल से कैंसर मरीजों को मिली नई उम्मीद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी चिकित्सा जगत के सामने एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो मरीजों को शारीरिक के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी प्रभावित करती है। ऐसे कठिन समय में आयुष्मान भारत योजना और जगदलपुर स्थित महारानी अस्पताल कैंसर पीड़ितों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरे हैं। यहां इलाज करा रहे कई मरीजों की कहानियां इस बात की गवाही दे रही हैं कि अब सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर उपचार संभव हो पा रहा है।

जगदलपुर की निवासी अनीता महावर, जो एक छोटी किराना दुकान संचालित करती हैं, कैंसर के उन्नत (चौथे) चरण से जूझ रही हैं। प्रारंभिक उपचार के लिए उन्होंने हैदराबाद में इलाज कराया, जहां सर्जरी और अन्य प्रक्रियाओं में लगभग 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च हो गए। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बाद आयुष्मान

कार्ड उनके लिए जीवनरेखा साबित हुआ। पिछले दो वर्षों से वे महारानी अस्पताल में उपचार ले रही हैं, जहां उन्हें नि:शुल्क दवाइयों और चिकित्सकों की सतत निगरानी का लाभ मिल रहा है। वे बताती हैं कि यहां मिल रहे सहयोग ने उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूत किया है और अब वे सकारात्मक सोच के साथ बीमारी का सामना कर रही हैं। इसी अस्पताल में एक ऑटो चालक की पत्नी गौरी मिश्रा का उपचार भी जारी है। सीमित आय वाले परिवार के लिए निजी अस्पतालों का खर्च वहन करना संभव नहीं था, लेकिन सरकारी अस्पताल की सुलभ और नि:शुल्क सेवाओं ने उन्हें उपचार का भरोसा दिया है। वहीं अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग मेट्रन लक्ष्मी टांडिया भी ओवरी कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक बाहर उपचार कराया, जिसमें अत्यधिक खर्च आया। वर्तमान में वे पिछले डेढ़ माह से आयुष्मान भारत योजना के तहत महारानी अस्पताल में उपचाररत हैं, जहां उन्हें महंगी दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध हो रही हैं।

मरीजों के अनुभव बताते हैं कि आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए इलाज की राह आसान कर दी है। अब लोगों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की मजबूरी कम हुई है। महारानी अस्पताल की सुदृढ़ व्यवस्थाएं और समर्पित चिकित्सा सेवाएं न केवल उपचार प्रदान कर रही हैं, बल्कि मरीजों में नई उम्मीद और विश्वास भी जगा रही हैं। आज महारानी अस्पताल केवल एक उपचार केंद्र नहीं, बल्कि संघर्ष कर रहे मरीजों के लिए जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

मृणाल ने रणवीर सिंह को लेकर दिया बड़ा बयान

कहा - 'उनकी वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं' एक्टर की जमकर की तारीफ

'धुरंधर 2' को लेकर रणवीर सिंह को लोगों से काफी प्यार मिल रहा है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी एक्टर की जमकर तारीफ की है और उनको लेकर बड़ा स्टेटमेंट दिया है।

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

हाल ही में मृणाल ठाकुर रणवीर इलाहबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस बीच उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'

एक्ट्रेस ने की 'धुरंधर' की तारीफ

उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।'

बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आएंगी, जो 10 अप्रैल को रिलीज होगी। बता दें कि रणवीर सिंह ने धुरंधर में हमजा का किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ कमाई की। फिल्म ने भारत में कुल 1,033.37 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,641.21 करोड़ का हो गया है।

जन्मदिन पर अल्लू अर्जुन की झलक पाने को लगा फैंस का जमावड़ा, एक्टर ने घर से बाहर निकल कर किया अभिवादन

'पुष्पा' फेम अल्लू अर्जुन ने उस वक्त अपने फैंस को खुश कर दिया जब वह अपने फैंस से मिलने अपने घर के बाहर आए। उन्हें देखकर फैंस और उत्साहित हो गए।

साउथ के मशहूर एक्टर अल्लू अर्जुन आज 8 अप्रैल को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इससे पहले उनकी झलक पाने को उनके घर के बाहर फैंस की भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ में काफी जोश व उत्साह देखा गया। फैंस की दीवानगी देखकर अल्लू अर्जुन अपने घर से बाहर निकले और फैंस का अभिवादन किया। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन के जन्मदिन से पहले वाली रात को उनके फैंस की भीड़ उनके घर के बाहर जमा हो गई। कई फैंस के हाथ में उनके पोस्टर थे। कई फैंस खुशी के मारे कंफेटी उड़ा रहे थे। कई फैंस खुशी के मारे झूम रहे थे। फैंस एक्टर की एक झलक पाना चाहते थे।

अभिनेता ने किया फैंस का अभिवादन

फैंस की दीवानगी देखकर अल्लू अर्जुन भी खामोश नहीं रह सके। वह अपने फैंस से मिलने के लिए अपने घर से बाहर आए। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन फैंस का हाथ जोड़कर अभिवादन कर रहे हैं। वह फैंस की तरफहाथ भी हिला रहे हैं। इस बीच वह कैजुअल ड्रेस में नजर आए। उन्होंने काली टी-शर्ट के साथ लाइट कलर की पैंट पहनी हुई थी। फैंस उन्हें देखकर काफी खुश हुए।

कौन हैं अल्लू अर्जुन?

ख्याल रहे कि 8 अप्रैल 1982 को जन्मे अल्लू अर्जुन आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने 2003 में तेलुगु फिल्म 'गंगोत्री' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने भारतीय सिनेमा को 'पुष्पा', 'आर्य' और 'डीजे' जैसी शानदार फिल्में दी हैं। वह जल्द ही 'AAww×A{' का हिस्सा होंगे।

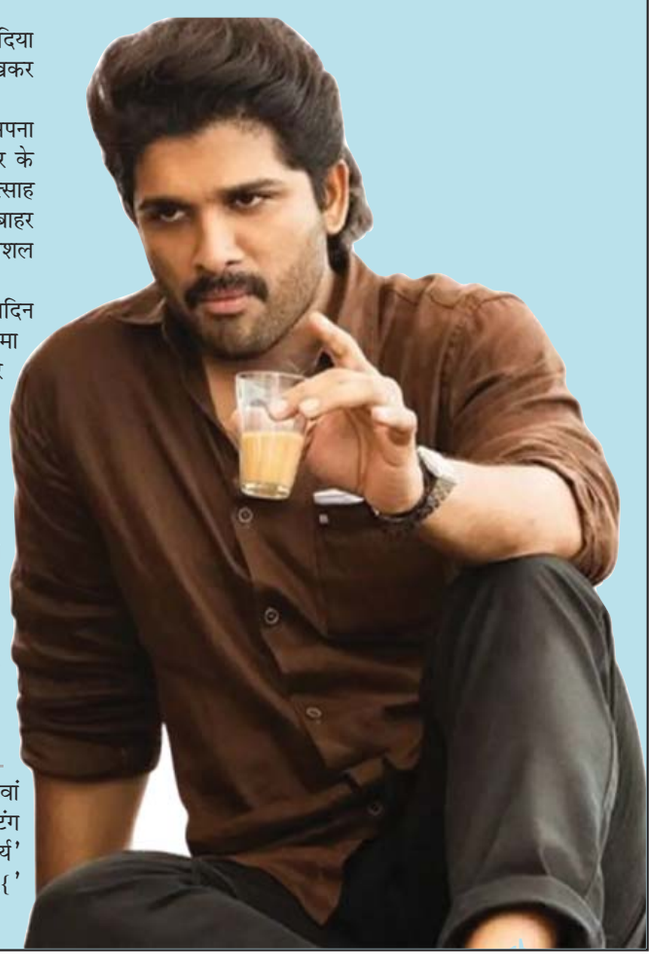

'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर कब होगा रिलीज, जानिए सही तारीख

अविनाश-मेधा शंकर की रोमांटिक केमिस्ट्री

'गिन्नी वेड्स सनी' का सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' इस साल रिलीज होने वाली है। जानिए अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की फिल्म का ट्रेलर किस तारीख को रिलीज होगा।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' 24 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में, फिल्म निर्माताओं ने 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' गाने रिलीज किए हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आए हैं। फिल्म के ट्रेलर को लेकर जानकारी आई है।

कब रिलीज होगा 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर

फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का ट्रेलर 9 अप्रैल को रिलीज होने वाला है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर हैं। फिल्म में लिलेट दुबे, सुधीर पांडे, गोविंद नामदेव, गोपी भल्ला, नयनी दीक्षित, विश्वनाथ चटर्जी और रोहित चौधरी जैसे अच्छे सहायक कलाकार भी हैं। फिल्म का निर्माण विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल ने किया है। प्रशांत झा ने इसे लिखा और निर्देशित भी किया है। फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

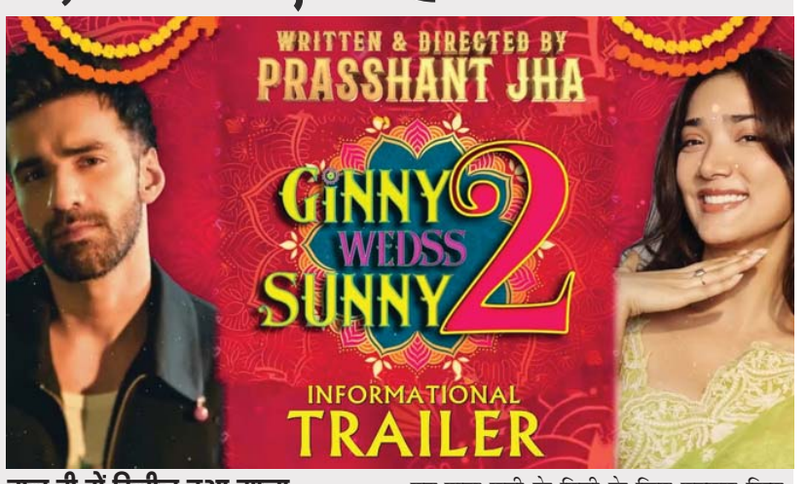

हाल ही में रिलीज हुआ गाना

फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' के निर्माताओं ने हाल ही में 'छाप तिलक' और 'ऐ खुदा' नाम के दो गाने रिलीज किए हैं। दोनों गाने दर्शकों को बहुत पसंद आए हैं। ये गाने फिल्म की कहानी की भावनाओं और रोमांस को दिखाते हैं। गानों में ज्यादातर सनी का किरदार (अविनाश तिवारी) दिखाया गया है।

गानों को लेकर अविनाश और मेधा की राय

अविनाश तिवारी ने 'ऐ खुदा' गाने के बारे में कहा, 'संगीत प्रेम कहानी की धड़कन होता है। यह गाना सनी के गिन्नी के लिए महसूस किए गए पलों को अच्छे से दिखाता है।' मेधा शंकर ने कहा, 'पहला गाना 'छाप तिलक' खुशी से भरा था, जबकि 'ऐ खुदा' हमारे किरदारों के संवेदनशील पक्ष को दिखाता है।'

'गिन्नी वेड्स सनी' का सीक्वल

'गिन्नी वेड्स सनी 2' 2020 में नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' का दूसरा भाग है। उसमें विक्रांत मैसी और यामी गौतम थे। अब 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर नई जोड़ी के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में रोमांस और कॉमेडी दोनों देखने को मिलेगी।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

कमेंट कर लिखा- 'मजाक किसका बन रहा है?'

'धुरंधर 2' की बड़ी सफलता के बावजूद रणवीर सिंह की पत्नी दीपिका पादुकोण की ओर से कोई रिएक्शन सामने नहीं आया था, जिसपर लोग सवाल खड़े कर रहे थे। अब दीपिका ने इन सवालों का करारा जवाब दिया है। 'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है।

लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था- 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना चाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

दीपिका ने खुद किया कमेंट

जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया- 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।' फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद से ही ये बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म ने भारत में कुल 1,033.37 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,641.21 करोड़ का हो गया है।

'निगेटिविटी फैलाना बंद करो', अमीषा पटेल ने जाकिर खान को दी नसीहत

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, इसे लेकर लोगों की राय बंटी हुई है। लेकिन इंडस्ट्री के कई लोगों ने फिल्म की जमकर सराहना की है। इस बीच हाल ही में एक अवॉर्ड कार्यक्रम में स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान ने अवॉर्ड शो को होस्ट करते हुए 'धुरंधर' की सफलता को लेकर एक कमेंट किया। इस कमेंट में उन्होंने इंडस्ट्री पर निशाना साधते हुए कहा कि 'धुरंधर' की अपार सफलता के बाद बॉलीवुड हिल गया है और डर गया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और अब अभिनेत्री अमीषा पटेल ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसको लेकर जाकिर खान को भी एक नसीहत दी है।

इंडस्ट्री ने 'धुरंधर' को बहुत सम्मान दिया है

अमीषा पटेल ने जाकिर खान के उस मजाक पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने अवॉर्ड शो के दौरान कहा था, 'धुरंधर की सफलता से इंडस्ट्री की जली तो है। बम फिल्म में फूटे ल्यारी में, लेकिन धुआं हुआ है बांद्रा से जुहू में।' अब जाकिर के इसी कमेंट पर रिएक्ट करते हुए अमीषा पटेल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया है।

अमीषा ने लिखा, 'यार, निगेटिविटी फैलाना बंद करो! फिल्म इंडस्ट्री ने धुरंधर को बहुत सम्मान दिया है। शाहरुख खान, सलमान, सनी, ऋतिक, अजय जैसे सुपरस्टार्स ने सिर्फ 1 नहीं बल्कि 25 से ज्यादा मेगा हिट फिल्में दी हैं और आगे भी देते रहेंगे। शांत हो जाओ। गदर कई साल से सबने मचाई है और आगे भी मचाएंगे।'

सिद्धार्थ आनंद ने भी दी प्रतिक्रिया

'पठान' और 'फाइटर' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने भी जाकिर खान के इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जुहू-बांद्रा के लोगों ने पिछले 50 साल से सभी एटीबीबी दिए हैं। उनके योगदान को कम आंकना वाकई बेवकूफी होगी।'

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई 'धुरंधर 2'

'धुरंधर' की सफलता के बाद मेकर्स इस साल 19 मार्च को 'धुरंधर 2' को लेकर आए हैं। 'धुरंधर 2' ने भी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुछ दिन पहले ही फिल्म ने भारत में 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बनकर इतिहास रच दिया। जबकि वर्ल्डवाइड भी फिल्म 1600 करोड़ रुपए से ऊपर की कमाई कर चुकी है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

हाथों की खुरदरी त्वचा को मुलायम बनाने के लिए अपनाएं ये प्रभावी तरीके

हाथों की मुलायम त्वचा अक्सर काम करने की वजह से खुरदुरी और कठोर हो जाती है। यह समस्या खासकर सर्दियों में ज्यादा परेशान करती है, जब ठंड और सूखी हवा हमारे हाथों की नमी को छीन लेती है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी सुझाव देंगे, जिनसे आप अपने हाथों की खुरदरी त्वचा को मुलायम बना सकते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने हाथों को स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

रोजाना नमी देने वाली क्रीम का उपयोग करें

अपने हाथों को मुलायम बनाने के लिए सबसे जरूरी कदम है नियमित रूप से नमी देने वाली क्रीम का उपयोग करना। नहाने या हाथ धोने के बाद तुरंत क्रीम लगाएं, ताकि आपकी त्वचा नमी को सोख सके। इससे आपके हाथों की नमी बनी रहेगी और वे खुरदरे नहीं होंगे। अच्छे परिणाम के लिए गाढ़ी और चिकनी क्रीम चुनें, जो लंबे समय तक आपकी त्वचा पर बनी रहे और उसे पोषण दे सके।

गर्म पानी से बचें

गर्म पानी से हाथ धोने या नहाने से बचें, क्योंकि यह आपकी त्वचा की नमी को छीन लेता है और उसे खुरदरा बना देता है। हमेशा हल्के गर्म पानी का उपयोग करें, ताकि आपकी त्वचा की नमी बनी रहे और हाथ मुलायम रहें। इसके अलावा हल्के गर्म पानी से हाथ धोने पर त्वचा को आराम भी मिलता है और खुरदरापन कम होता है। इस तरह आप अपने हाथों को स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

प्राकृतिक तेल का उपयोग करें

जैतून के तेल, नारियल के तेल या बादाम के तेल जैसे प्राकृतिक तेल आपके हाथों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सोने से पहले इन तेलों से हाथों की मालिश करें, ताकि आपकी त्वचा रात भर पोषण पा सके। यह न केवल आपकी त्वचा को पोषण दे सकते हैं, बल्कि उसे मुलायम भी बना सकते हैं। इसके अलावा ये तेल आपकी त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करते हैं, जिससे आपके हाथ लंबे समय तक सुंदर बने रहते हैं।

मृत कोशिकाओं को हटाएं

हफ्ते में एक बार मृत कोशिकाओं को हटाना जरूरी है, ताकि नई कोशिकाओं को बढ़ावा मिले। इसके लिए आप चीनी या नमक वाले मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। इन घोल से अपने हाथों को घिसें और फिर ठंडे पानी से उन्हें धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने हाथों की खुरदरी त्वचा को आसानी से मुलायम बना सकते हैं। इन सुझावों का नियमित पालन करने से आपके हाथ स्वस्थ और सुंदर बने रहेंगे।

खास खबर

गुढियारी में बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस का घेराव

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने गुढियारी क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती और सहायता केंद्र में अनियमितताओं के विरोध में बिजली विभाग कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विभाग और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया।यह घेराव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुबोध हरितवाल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। सुबोध हरितवाल ने अधिकारियों को बाहर बुलाकर धूप में ही चर्चा की और कहा कि आम जनता भीषण गर्मी में परेशान है, इसलिए अधिकारियों को भी जमीनी हकीकत समझनी चाहिए।प्रदर्शन के दौरान आरोप लगाया गया कि गुढियारी क्षेत्र में पिछले 5 दिनों से बिना सूचना के रात में बिजली गुल हो रही है और सुबह तक बहाल होने का कोई निश्चित समय नहीं रहता। साथ ही, बिजली विभाग के सहायता केंद्र में कॉल रिसीव नहीं होने या फोन काट देने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लाइनमैन की पर्याप्त व्यवस्था की जाएफ्यूज और डीओ बदलने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएओवरलोड के कारण खराब हो रहे ट्रांसफॉर्मरों की संख्या बढ़ाई जाएसहायता केंद्र में कॉल रिसीव न करने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई की जाएअधिकारियों ने दिया आश्वासनमामले में विभाग के अधिकारी महेश ठाकुर और रामकुमार साहू ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि जल्द ही बिजली कटौती की समस्या का समाधान किया जाएगा।

खाद्यान्न वितरण की करें नियमित मॉनिटरिंग, राशन दुकानों में हो पर्याप्त भंडारण - कलेक्टर

कवर्धा। जिले में चल रहे चावल उत्सव के तहत हितग्राहियों को तीन माह के राशन के वितरण हेतु शासन द्वारा निर्देशित किया गया है। इसको ध्यान रखते हुए सभी केंद्रों में पर्याप्त चावल भंडारण किया जाए, ताकि मांग अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उक्त बातें कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज समय सीमा की बैठक में खाद्य अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिससे केंद्रों में जरूरत के मुताबिक राशन की सप्लाई हो।कलेक्टर वर्मा ने नक्शा बटांकन, खाता विभाजन, त्रुटि सुधार, जैसे राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। सभी सुनिश्चित करें कि प्रकरण समय सीमा से बाहर लंबित न हो। उन्होंने खसरों के डिजिटल हस्ताक्षरीकरण पर जोर देते हुए कहा कि सभी राजस्व अधिकारी नियमित रूप से अपने तहसील के मैदानी अमले की बैठक लेकर लंबित कार्यों की समीक्षा कर निराकरण की गति को बढ़ाएं। महतारी वंदन योजना के तहत हितग्राही महिलाओं के ई केवायसी करने के निर्देश शासन से प्राप्त हुए हैं, इस संबंध में कलेक्टर ने महिला बाल विकास अधिकारी और ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को निर्देश देते हुए कहा कि प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप सीएससी सेंटर से ई केवायसी किए जाने हैं।

राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध - मंत्री केदार कश्यप

- वन मंत्री ने जिले को दी 17.59 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात
- नालंदा परिसर से युवाओं को मिलेगा आधुनिक अध्ययन का सशक्त मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान नारायणपुर को 17 करोड़ 59 लाख 57 हजार रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले के विकास को नई गति प्रदान की।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से जिले के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा और अबूझमाड़ सहित नारायणपुर के बच्चे भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर इंजीनियर, डॉक्टर एवं शासकीय सेवाओं में स्थान प्राप्त कर सकेंगे। नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया कि इस अवसर पर नेशनल हाईवे 130डी के मजबूतीकरण कार्य, नालंदा परिसर (सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन) सहित डीएमएफ और नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत कुल 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि के 03 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपए का चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत 25 हितग्राहियों को अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

उन्होंने गढ़बेंगाल चौक से बखरूपारा मार्ग के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग 130 डी के मजबूतीकरण कार्य को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह टीमवर्क के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प साकार हुआ है, जिससे अब नारायणपुर और अबूझमाड़ के विकास का मार्ग और अधिक सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों, महिलाओं, बच्चों और युवाओं सहित सभी वर्गों के विकास एवं समृद्धि के लिए सतत प्रयासरत है।

कार्यक्रम में राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, संध्या पवार, गौतम एस. गोलछा, बृजमोहन देवांगन सहित पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधिगण, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत , वन मंडल अधिकारी, अपर कलेक्टर, एसडीएम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं ग्रामीण महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के प्रभावी क्रियान्वयन से रायगढ़ जिले की ग्रामीण महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। यह योजना महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, कौशल और सामाजिक पहचान भी प्रदान कर रही है।

रायगढ़ जिले के ग्राम बड़ेभंडार की निवासी मथुरा कुर्रे इसकी उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के पश्चात उन्हें रिवॉल्विंग फंड एवं कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड के तहत आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। इस सहयोग से उन्होंने घर पर ही अचार, पापड़, बड़ी एवं मसाला निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। आज वे अपने उत्पादों का बाजार में विक्रय कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक

गृह उद्योग और हस्तशिल्प से संवर रहा भविष्य

स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और वे आत्मनिर्भर बन सकी हैं।

इसी क्रम में ग्राम रूमकेरा, तहसील घरघोड़ा की जमुना सिदार की कहानी भी प्रेरणादायक है। पूर्व में वे एक गृहिणी थीं, किन्तु बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्होंने बांस शिल्प का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण उपरांत उन्होंने टोकरी, सूपा एवं अन्य हस्तशिल्प उत्पादों का निर्माण प्रारंभ किया। उन्हें विभिन्न मेलों, विशेषकर 'सरस मेला' में अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय का अवसर प्राप्त हुआ, जिससे वे अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि कौशल विकास, उद्यमिता और आत्मगौरव का अवसर भी प्रदान कर रहा है। जिले में अनेक महिलाएं इस योजना से जुड़कर स्वरोजगार के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा दे रही हैं।

शासन के मंशानुरूप जिला प्रशासन रायगढ़ द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न योजनाओं से जोड़कर महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है, जिससे वे न केवल अपने परिवार की आय में वृद्धि कर रही हैं, बल्कि समाज में एक सशक्त भूमिका भी निभा रही हैं।

बिहान योजना आज जिले में महिला सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनी है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

गांव चलो घर चलो अभियान की शुरुआत, ग्रामीणों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। 47 वां स्थापना दिवस मना रही भारतीय जनता पार्टी 7 से 12 अप्रैल तक सघन जनसंपर्क करने गांव चलो घर चलो अभियान चला रही है। आज मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण सिंह देव ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के नानगुर मण्डल के ग्राम जामावाड़ा में पहुंच कर गांव चलो घर चलो अभियान की शुरुआत की।

जामावाड़ा की ग्रामीण जनता से सीधे संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए चर्चा की। किरण देव ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यह भाजपा सरकार की मंशा है। गांव चलो घर चलो अभियान का यही उद्देश्य भी है।

गांव चलो घर चलो अभियान में ग्राम जामावाड़ा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने 19 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। कासरीपारा में 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण लागत 9.50 लाख भदरा गुड़ा में 300 मीटर सीसी सड़क लागत 9.50 लाख का भूमिपूजन किया।

इस दौरान किरण देव ने ग्राम का सघन भ्रमण किया और प्रधानमंत्री आवास योजना के ग्रामीण हितग्राहियों के घरों में जाकर बातचीत की। महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं से भी चर्चा की और ग्रामीण कार्यकर्ताओं के साथ जमीन में बैठकर भोजन किया।

ईसीसीई को बढ़ावा देने 7 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा । जिले में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) कार्यक्रम को सशक्त बनाने के उद्देश्य से नीति आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर अमित कुमार एवं सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय सुकमा के डीपीआरसी भवन में 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मोबाइल क्रेचेस, दिल्ली की टीम द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें जिले के कुल 31 प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ईसीसीई कंसल्टेंट शामिल होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के समग्र विकास—शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, सुकमा द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए मोबाइल क्रेचेस, दिल्ली की विशेषज्ञ टीम—गीतांजलि, नीलम श्रीवास्तव एवं मीनू द्वारा पाठ्यक्रम से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। 7 दिवसीय इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ईसीसीई की अवधारणा, उसका महत्व एवं उद्देश्यों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही पाठ्यक्रम की प्रारंभिक दो इकाइयों पर विशेष फोकस किया गया है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है, ताकि वे आगे अन्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षित कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस शुभारंभ अवसर पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवदास नेताम, मोबाइल क्रेचेस के प्रतिनिधि मोतीलाल कावड़े एवं रूपेन्द्र देवदास उपस्थित थे।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से संवरा जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण अंचलों में न केवल आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं, बल्कि आमजन के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय भी जोड़ रही हैं। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले के विकासखंड पामगढ़ के ग्राम लोहर्सी की निवासी श्रीमती ज्योति कश्यप की जीवन यात्रा परिवर्तन की एक प्रेरक मिसाल है। कभी अभाव और कठिनाइयों से जूझ रही श्रीमती ज्योति कश्यप का जीवन आज शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से पूरी तरह बदल चुका है। पूर्व में उनका कच्चा मकान हर मौसम में चुनौती बन जाता था। वर्षा के दौरान छत टपकना, घर में पानी भरना और असुरक्षित वातावरण में रहना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। इसके साथ ही लकड़ी के चूल्हे

पर खाना बनाते समय उठने वाले धुएं से आंखों में जलन और सांस लेने में कठिनाई जैसी समस्याएं उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रही थीं।

परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव तब आया, जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली। उन्होंने आशा और विश्वास के साथ आवेदन किया और आवास स्वीकृत होने के बाद उनके जीवन में जैसे नई रोशनी का संचार हुआ। पक्के मकान के निर्माण से अब उनका परिवार सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण में निवास कर रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्त होने से उनकी रसोई धुएं से मुक्त हो गई है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ समय और श्रम की भी बचत हो रही है।

ज्योति कश्यप के जीवन में आत्मनिर्भरता का एक नया आयाम महतारी वंदन योजना से जुड़ा है। इस योजना के तहत प्रतिमाह प्राप्त होने वाली 1000 रुपये की सहायता राशि से वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर पा रही हैं। जहां पहले उन्हें छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब वे आत्मसम्मान के साथ अपने निर्णय लेने में सक्षम हुई हैं। आज श्रीमती ज्योति कश्यप का जीवन इस बात का प्रमाण है कि शासन की योजनाएं यदि सही पात्र तक पहुंचें, तो वे न केवल जीवन स्तर को सुधारती हैं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वाभिमान को भी नई ऊंचाई प्रदान करती हैं।

कोरबा की जीवनदायिनी को मिलेगा 'अमृत': 165 करोड़ से संवरेगी हसदेव की धारा

अमृत मिशन 2.0 के तहत 20 एमएलडी क्षमता के टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट को मिली मंजूरी, प्रदूषण-मुक्त होगी नदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ऊर्जाधानी कोरबा की जीवनरेखा मानी जाने वाली हसदेव नदी अब प्रदूषण के काले साये से मुक्त होकर फिर से कल-कल बहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी 'अमृत मिशन 2.0' योजना ने कोरबा में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ दी है। छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से भारत सरकार ने शहर के दूषित जल के वैज्ञानिक उपचार हेतु 165 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है।

सालों से शहर के 11 बड़े नालों का दूषित सीवरेज जल सीधे हसदेव नदी में मिलकर उसकी शुद्धता को प्रभावित कर रहा था। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए 20 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है।

प्रतिदिन लगभग 3 करोड़ 30 लाख लीटर दूषित जल को नदी में गिरने से पहले ही रोककर अत्याधुनिक तकनीक से उपचारित किया जाएगा। इससे नदी के प्रदूषण में भारी कमी आएगी और उसका जल पुन: स्वच्छ बनेगा। परियोजना के पूर्ण होते ही कोरबा उन चुनिंदा 12 शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहाँ जल शोधन की ऐसी उन्नत और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध है। यह परियोजना केवल नदी की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि 'वेस्ट टू वेल्थ' का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी बनेगी। उपचारित किए गए करोड़ों लीटर पानी को बर्बाद करने के बजाय एनटीपीसी द्वारा निर्धारित दरों पर खरीदा जाएगा। इससे उद्योगों को स्वच्छ जल उपलब्ध होगा, नगर निगम के राजस्व में वृद्धि होगी और भू-जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने इसे कोरबा जिले के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के मानकों का पालन करते हुए नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा तैयार किए गए इस वैज्ञानिक समाधान को अब वास्तविक रूप मिलने जा रहा है।

वर्तमान में निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है और जल्द ही निर्माण कार्य धरातल पर शुरू हो जाएगा। अमृत मिशन 2.0 के तहत यह प्लांट न केवल हसदेव नदी को पुनर्जीवित करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण की नई मिसाल भी पेश करेगा। इसके माध्यम से कोरबा औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरणीय स्वच्छता के क्षेत्र में भी अग्रणी बनेगा।

तिलहन खेती से समृद्धि की ओर अग्रसर किसान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महासमुंद जिले के विकासखंड सरायपाली अंतर्गत ग्राम सिरशोभा के प्रगतिशील किसान गौतम पटेल ने पारंपरिक धान खेती के स्थान पर ग्रीष्मकालीन सूर्यमुखी अपनाकर समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। कृषि विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

श्री पटेल ने बताया कि पूर्व में वे धान की खेती करते थे, जिसमें अधिक जल एवं लागत की आवश्यकता होती थी। बीते वर्ष जल की कमी के कारण फसल प्रभावित होने से उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ी। इसके पश्चात कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने इस वर्ष लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्र में सूर्यमुखी की खेती की है। सूर्यमुखी फसल में कम पानी एवं कम लागत की आवश्यकता होती है, जिससे यह किसानों के लिए लाभकारी विकल्प सिद्ध हो रही है। वर्तमान में फसल की स्थिति संतोषजनक है तथा प्रति एकड़ 8 से 10 क्विंटल उत्पादन का अनुमान है। कुल उत्पादन 12 से 15 क्विंटल होने की संभावना है। बाजार मूल्य 4500 से 5500 रुपए प्रति क्विंटल के अनुसार लगभग 54 हजार से 82 हजार 500 रुपए की आय संभावित है, जिसमें 40 से 65 हजार रुपए तक शुद्ध लाभ प्राप्त होने का अनुमान है। गौरतलब है कि कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीज, तकनीकी परामर्श एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराए जाने से किसान नवीन खेती पद्धति को सफलतापूर्वक अपना रहे हैं।

खास खबर

11 केवी तार की चपेट में आने से 4 गायों की मौत

जशपुरनगर। जशपुरनगर के गम्हरिया स्थित गर्ग हाउस के पास बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है। यहां पिछले चार दिनों से जमीन पर गिरे 11 हजार वोल्ट (11 केवी) के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से चार दुधारू गायों की मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने लगातार चार दिनों तक विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों के अनुसार, ट्रांसफार्मर से जुड़ा यह बिजली का तार काफी समय से नीचे गिरा था। कई बार शिकायत के बावजूद न तो तार को दुरुस्त किया गया और न ही सप्लाई बंद की गई। चौथे दिन जब मवेशी उस क्षेत्र में चारे के लिए पहुंचे, तो करंट की चपेट में आ गए। चारों गायों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना से पशुपालकों को आर्थिक क्षति हुई है। हादसे के बाद सिस्टम की संवेदनहीनता तब और उजागर हुई जब पशुपालक पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय पहुंचे। वहां काफी देर तक कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। देर से पहुंचे डॉक्टर ने पोस्टमार्टम के लिए कर्मचारी की व्यवस्था खुद पशुपालक को ही करने को कहा और अंततः गायों को दफनाने की सलाह देकर पल्ला झाड़ लिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित पशुपालकों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

बच्चा चोर समझकर ग्रामीणों ने विक्षिप्त युवक को पीटा

जशपुरनगर। जिले सहित पड़ोसी राज्य झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में पिछले तीन महीनों से बच्चा चोर की अफवाह ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। इस खौफ का नतीजा यह है कि लोग किसी भी अजनबी को देखते ही उसे बच्चा चोर समझकर हिंसक हो रहे हैं। मंगलवार को बगीचा के लोटा इलाके में सामने आया, जहां ग्रामीणों ने एक युवक को बच्चा चोर समझकर पकड़ लिया, उसकी पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि, पुलिस जांच में युवक मानसिक रूप से बीमार पाया गया है। बगीचा में एक व्यक्ति के दो बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। तभी एक विक्षिप्त व्यक्ति वहां पहुंचा और बच्चों को अपने साथ ले जाने लगा। ग्रामीणों ने इसे अपहरण की कोशिश समझकर उसका पीछा किया और तहसील चौक के पास उसे धर दबोचा। बगीचा थाने की एसआई बैजंती किंडो ने बताया कि पकड़ा गया व्यक्ति मूक-बधिर और मानसिक रूप से बीमार है। वह पिछले दो साल से इसी इलाके में घूम रहा है और उसे बच्चों से लगाव है। उसने अब तक किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। बच्चा चोरी की इस अफवाह का असर अब बच्चों की शिक्षा पर भी पड़ रहा है।

दिव्यांग युवती से रेप की कोशिशः पिता का दोस्त निकला आरोपी, कोर्ट ने सुनाई 8 साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में 19 साल दिव्यांग (मूक-बधिर) युवती से उसके पिता के दोस्त ने घर में घुसकर छेड़छाड़ की और दुष्कर्म का प्रयास किया। इस मामले में जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (FTC) दुर्ग, अवध किशोर की अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 5 साल और 3 साल की सजा सुनाई है।

यह घटना 8 अप्रैल 2025 की सुबह करीब 10 बजे की है। पीड़िता घर में अकेली थी, तभी आरोपी तामेश्वर यादव ने घर में घुस आया। आरोपी ने युवती को सोते हुए पकड़ा, उसके साथ जबरन छेड़छाड़ की, होंठों पर किस किया और गाल पर काटा। पीड़िता ने आरोपी के हाथ को काटा, लात मारी और वहां से भागकर पड़ोसी के घर पहुंच गई। इस मामले में राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक संजय कुमार सिंह ने पैरवी की। आरोपी की ओर से बचाव पक्ष ने झूठे फंसाने का तर्क दिया।

पीड़िता की गवाही बनी सबसे अहम सबूत

मामले की सबसे अहम कड़ी पीड़िता की गवाही रही, जो सांकेतिक भाषा (sign language) के जरिए कोर्ट में दर्ज की गई। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दिव्यांग पीड़िता का बयान पूरी तरह विश्वसनीय, सुसंगत और बिना किसी दबाव के था। पीड़िता के बयान को उसकी मां, पिता और पड़ोसी गवाहों ने भी समर्थन दिया।

जांच, मेडिकल रिपोर्ट और गिरफ्तारी

जांच के दौरान पीड़िता के फटे कपड़े जब्त किए गए और उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। आरोपी को 9 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया गया। हालांकि मेडिकल रिपोर्ट में बाहरी चोट नहीं मिली थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में पीड़िता की गवाही ही पर्याप्त होती है। बचाव पक्ष के तर्क खारिज आरोपी के वकील ने कोर्ट में कहा कि कोई स्वतंत्र गवाह नहीं है, गवाहों के बयान विरोधाभासी हैं, आरोपी को झूठा फंसाया गया है। कोर्ट ने सभी तर्कों को अस्वीकार किया। न्यायाधीश अवध किशोर ने कहा कि आरोपी पीड़िता के पिता का दोस्त था। उसे पता था कि युवती अकेली रहती है। उसने इसी भरोसे का दुरुपयोग किया। कोर्ट ने कहा कि दिव्यांग युवती समाज का सबसे संवेदनशील वर्ग है। ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जरूरी है। कोर्ट ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 74 (महिला की मर्यादा भंग) और धारा 75(2) (यौन उत्पीड़न) में दोषी पाया।

अदालत ने आरोपी तामेश्वर यादव को धारा 74 में 5 साल का कठोर कारावास और 500 रुपए जुर्माना दिया। धारा 75(2) में 3 साल का कठोर कारावास तय किया गया। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जुर्माना जमा नहीं करने पर 15 दिन की अतिरिक्त सजा निर्धारित की गई। नरमी से साद्धक्त इनकार कोर्ट ने कहा कि यह मामला किसी भी स्थिति में नरमी के योग्य नहीं है। पीड़िता ने साहस दिखाया, नहीं तो बड़ा अपराध हो सकता था। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि पीड़िता को उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वह मानसिक और आर्थिक रूप से संभल सके।

कोरबा में रिटायर्ड एएसआई के घर दूसरी बार चोरी

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा में सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत सीएसईबी कॉलोनी निवासी रिटायर्ड एएसआई गलेटबिन कुमार के घर दूसरी बार चोरी की वारदात सामने आई है। यह घटना तब हुई जब एएसआई अपने बेटे की बारात लेकर गए हुए थे। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस और सीएसपी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

चोरी की यह वारदात बुधवार सुबह उनके आवास पर सामने आई। पड़ोसियों ने इसकी जानकारी मकान मालिक और

सिविल लाइन थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। मकान मालिक गलेटबिन कुमार ने पुलिस को फोन पर बताया कि उनके बेटे की शादी बालको स्थित साईं मंगलम भवन में हो रही है और वे मंगलवार रात बारात लेकर निकले थे।

उन्हें सुबह पड़ोसियों ने फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि घर में 20 हजार रुपए नकद, लैपटॉप, कंप्यूटर, टीवी और मेहमानों का सामान रखा हुआ था। चोरी हुए सामान की सही जानकारी उनके घर लौटने के बाद ही पता चल पाएगी।

गलेटबिन कुमार कुछ माह पहले ही सेवामुक्त हुए हैं। जनवरी माह में भी उनके घर पर चोरी की घटना हुई थी, जिसमें चोरों ने करीब 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ किया था। उस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पहली चोरी के बाद मकान मालिक ने घर में सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए थे। हालांकि, इस बार चोरों ने सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की और डीवीआर (डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर) भी अपने साथ ले गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड टीम को भी मौके पर बुलाया गया और जांच में उनकी मदद ली जा रही है।

इस मामले में कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे हैं और आगे की जांच कार्रवाई की जा रही है।

'फर्जी कैफे' में पुलिस की रेड, लेटनाइट चल रही थी पार्टी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित 'फर्जी कैफे' में देर रात चल रही पार्टी पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। तेलीबांधा पुलिस ने रेड मारकर डीजे जब्त किया और कोलाहल अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। साथ ही कैफे का लाइसेंस निरस्त करने के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा गया है।

तेलीबांधा पुलिस को रात साढ़े 12 बजे सूचना मिली थी कि, वीआईपी रोड स्थित बेबीलॉन इंटरनेशन के 'फर्जी कैफे' में डीजे की धुन पर युवक-युवतियां पार्टी कर रही हैं। सिविल लाइन एसीपी रमाकांत साहू ने शिकायत को गंभीरता से लिया और पुलिस को रेड कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद तेलीबांधा पुलिस की टीम रात करीब 1:15 बजे मौके पर पहुंची।

अंदर बड़ी संख्या में युवक-युवतियां मौजूद थे, तेज आवाज में डीजे बज रहा था और शराब पार्टी चल रही थी। पुलिस ने मौके से डीजे सिस्टम जब्त कर लिया और कोलाहल अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। इस मामले में सोमवार को कोर्ट में इस्तगासा (लिखित शिकायत) भी पेश किया गया है।

कैफे का लाइसेंस रद्द करने की तैयारी

एसीपी रमाकांत साहू ने बताया कि, नियमों का उल्लंघन किया गया है। देर रात तक बिना अनुमति पार्टी आयोजित करना और तेज आवाज में डीजे बजाना नियमों के खिलाफ है।

इस संबंध में कैफे का लाइसेंस निरस्त करने के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि, शहर में लेटनाइट पार्टी, ध्वनि प्रदूषण और अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले क्लब और कैफे के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि, नियमों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिलासपुर में शादी पार्टी के दूसरे दिन जमकर चले लाठी-डंडे और हथियार

बिलासपुर। बिलासपुर में पड़ोसियों के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। पड़ोसियों ने जिस घर में एक दिन पहले शादी पार्टी हुई थी, वहां जाकर जमकर लाठी-डंडे और हथियार चलाए। इस हमले में एक ही परिवार आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जबकि महिला बुरी तरह घायल है।

उसे इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। घटना सकरी थाना क्षेत्र की है। पेंडारी निवासी पीड़ित राजा बघेल ने पुलिस को बताया कि 6 अप्रैल की रात करीब 8 बजे वह अपने घर में था, जबकि उसके परिवार के सदस्य बाहर खड़े थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले लक्ष्मण बघेल, दिलीप बघेल, अर्जुन बघेल, सुमित्रा बघेल और उनके परिजन गाली-गलौज करने लगे। शोर सुनकर जब वह बाहर निकला तो देखा कि आरोपी उसके परिवार के सदस्यों के साथ विवाद कर रहे हैं बीच-बचाव करने पहुंचे पीड़ित को भी धमकाया गया।

मामले की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

शराब घोटाला मामले में 3 वाहन जब्त, दुर्ग डिस्टिलरीज की थीं गाड़ियां

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित छत्तीसगढ़ डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड से आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने अवैध शराब परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे तीन वाहनों को जब्त किया है। जांच में सामने आया है कि इन वाहनों का उपयोग अवैध पार्ट-बी शराब को डिस्टिलरी से सीधे चुनिंदा शासकीय शराब दुकानों तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा था।

ईओडब्लू की जांच में डिजिटल और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर यह पुष्टि हुई है कि डिस्टिलरी मालिक अपने भरोसेमंद लोगों के माध्यम से छोटे ट्रांसपोर्टरों की गाड़ियों का इस्तेमाल कर अवैध शराब की सप्लाई करवा रहा था। इस काम के लिए कुछ तय वाहनों का बार-बार उपयोग किया जाता था, जिससे शराब सीधे सरकारी दुकानों तक पहुंचाई जा सके। यह कार्रवाई शराब घोटाला मामले के

तहत की गई है। शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) और भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत जांच चल रही है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो पहले भी इस मामले में कार्रवाई कर चुका है। इससे पहले वेलकम डिस्टलरी कोटा (बिलासपुर) और भाटिया वाइंस डिस्टलरी सरगांव (मुंगेली) से कुल 16 वाहन जब्त किए जा चुके हैं।

चुनिंदा शराब दुकानों तक होती थी सीधी सप्लाई

जांच एजेंसी के अनुसार डिस्टलरियों से अवैध शराब की सप्लाई सीधे कुछ चुनिंदा सरकारी देशी शराब दुकानों तक की जाती थी। इसके लिए अलग-अलग डिस्टलरियों में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की पहचान की गई है। गवाहों के बयान और डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर यह भी पता चला है कि छग डिस्टलरीज दुर्ग में जब्त किए गए 3 वाहनों के अलावा कुछ अन्य वाहन भी इस काम में लगाए गए थे।

अन्य वाहनों की जांच, स्क्रैप करने की भी आशंका

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि कुछ वाहनों को स्क्रैप कर दिया गया है या उनका उपयोग अब दूसरे कामों में किया जा रहा है। ऐसे वाहनों के मालिक और उनके इस्तेमाल की जानकारी जुटाने के लिए अलग से जांच जारी है। जांच एजेंसी इन सभी वाहनों और उनसे जुड़े लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। ईओडब्लू के अधिकारियों की मानें तो शराब घोटाले से जुड़े इस मामले में आगे भी जांच जारी रहेगी और जिन लोगों की भूमिका सामने आएगी, उनके खिलाफवैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ब्यूरो इस पूरे नेटवर्क को खंगाल रहा है।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के घर पर दबिश के दौरान सट्टा संचालन से जुड़े अहम दस्तावेज, भारी मात्रा में गांजा और अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार, 5 अप्रैल को ग्राम खेदामारा नहर किनारे मैदान में ऑनलाइन सट्टा खेलते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा गया था। जांच में सामने आया कि ये सभी आरोपी 'BETBHAI 9' नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टा संचालित कर रहे थे। पूछताछ में उन्होंने खुलासा किया कि इस पूरे नेटवर्क का संचालन मनिन्दर सिंह कर रहा था।

वह लगातार ठिकाना बदलकर पुलिस से बच रहा था। लगातार तलाश के बाद 7 अप्रैल को पुलिस और एसीसीयू टीम ने जामुल स्थित लेबर कैम्प वार्ड क्रमांक 08 में

आरोपी के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को सट्टा संचालन में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड मिले।

आरोपी के खिलाफ अलग-अलग केस दर्ज

इसके अलावा मौके से 4 किलो 650 ग्राम गांजा और 35 बोतल अंग्रेजी शराब भी बरामद की गई। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2.32 लाख रुपए और शराब की कीमत लगभग 79 हजार रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने आरोपी मनिन्दर सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) और आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अलग-अलग केस दर्ज किए हैं। साथ ही ऑनलाइन सट्टा मामले में पहले से दर्ज केस में भी आरोपी की भूमिका को जोड़ा गया है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से फैलाया जाल जांच में सामने आया कि आरोपी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर ऑनलाइन सट्टा चला रहा था। वह युवाओं को लिंक के माध्यम से जोड़कर उन्हें सट्टा खेलने के लिए प्रेरित करता था और बैंकिंग माध्यमों से पैसे का लेनदेन करता था। इस तरह उसने अवैध कमाई का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया था।

रिमांड पर भेजा गया, नेटवर्क की जांच जारी

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

रायपुर में पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद मुजगहन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, ईदगाह भाटा निवासी मोहम्मद युनुस (19) ने आजाद चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, 5 अप्रैल को वह अपने दोस्त के साथ सातपाखर एनीकट, काठाडीह पिकनिक मनाने गया था। इसी दौरान आरोपी फारूख, रियाज, उस्मान, चीकू और विशाल नायक पहुंचे और पुरानी दीपावली के दौरान हुए विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे।

विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए

युनुस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके दाहिने हिस्से में गंभीर चोट आई। घायल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले में मुजगहन थाना में आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया।

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल ने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुलदेव शर्मा, एसीपी नवनीत पाटिल और थाना प्रभारी अमित कोसमा को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण कर पीड़ित और आसपास के लोगों से पूछताछ की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की मदद से आरोपियों की पहचान कर दबिश दी गई। पुलिस ने शेख फारूख (22), मोहम्मद रियाज खान (25), सैय्यद उस्मान (19), शेख साहिल उर्फ चीकू (26) और विशाल नायक (19) को 6 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी बोरियाखुर्द और टिकरापारा क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बायपास पर ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर, 2 की मौत

कोरबा। कटघोरा बायपास पर जेंजरा चौक से चकचकवा पहाड़ के बीच मुड़ाभाटा पुलिया मोड़ के पास सोमवार की शाम तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक सड़क पर गिर गए। दोनों के सिर पर गंभीर चोटें पहुंची और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोरगा चौकी घुंचापुर निवासी कृष्णा दास (22) व साखो निवासी बिहारी लाल यादव (24) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि बिहारी लाल की बहन घटनास्थल से कुछ दूर मुड़ाभाटा में रहती है। बिहारी लाल अपने साथी कृष्णा दास के साथ बहन के घर जा रहा था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी ट्रेलर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी चालक घटना के बाद मौके से भाग रहा था, जिसे ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने पकड़ा।

प्रमुख खबरें

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को भेंट की बेल मेटल निर्मित 'माता कौशल्या के राम' कलाकृति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपरा और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती बेल मेटल से निर्मित 'माता कौशल्या के राम' की अद्वितीय कलाकृति भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ वह पावन धरा है, जहाँ भगवान श्रीराम का ननिहाल स्थित है और यह भूमि प्रभु श्रीराम से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भेंट की गई यह कलाकृति प्रदेश की आस्था, परंपरा और सृजनशीलता का सजीव प्रतिरूप है, जो जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उत्कृष्ट शिल्पकौशल को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण भारत की सांस्कृतिक

चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'श्री रामलला दर्शन योजना' के माध्यम से प्रदेश के हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर रहे हैं, जिससे आस्था और श्रद्धा को जन-जन तक जोड़ने का कार्य निरंतर हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार सेवा, संस्कार और सुशासन के पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

बदलाव की कहानी : जीवन संघर्ष के लिए चुन लिया था गलत रास्ता, जब समझ में आया तो कर दिया समर्पण, एक साल में बदल गई दुनिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अंचल में बदलाव की कई कहानियां उभर रही हैं। इन्हीं में से एक कहानी है बीजापुर जिले के छोटे से गांव चेरली के युवक मनकू कड़ती की, जिनका जीवन संघर्ष, भटकाव और फिर सकारात्मक परिवर्तन का उदाहरण बनकर सामने आया है।

बीजापुर जिले के चेरली गांव में जन्मे मनकू कड़ती का बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता। गरीबी, असुरक्षा और सीमित संसाधनों के बीच उनका परिवार लगातार चुनौतियों से जूझता रहा। पारिवारिक स्थिति उस समय और भी गंभीर हो गई, जब उनके पिता को जेल जाना पड़ा। इस घटना ने मनकू के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला और उनका बचपन अभाव और अस्थिरता के माहौल में बीता।

इन्हीं परिस्थितियों और नकारात्मक माहौल के प्रभाव में मनकू धीरे-धीरे भटकाव की ओर बढ़ने लगे। उन्हें लगा कि गलत रास्ता ही उन्हें पहचान और सुरक्षा दिला सकता है। हालांकि, उनके भीतर एक द्वंद्व लगातार बना रहा। क्या यही उनका भविष्य है ? यह सवाल उनके मन में बार-बार उठता रहा।

समय के साथ मनकू के भीतर आत्मचिंतन की प्रक्रिया शुरू हुई। उन्होंने महसूस किया कि हिंसा और भय के रास्ते पर चलकर वे अपने जीवन को अंधकार की ओर ले जा रहे हैं। यही एहसास उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। उन्होंने ठान लिया कि अब वे अपनी दिशा बदलेंगे और एक नई शुरुआत करेंगे।

अप्रैल 2025 में मनकू कड़ती ने साहसिक कदम उठाते हुए आत्मसमर्पण कर दिया। यह निर्णय उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन यही उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सही फैसला साबित हुआ। इस कदम ने उनके लिए मुख्यधारा में लौटने और एक सम्मानजनक जीवन जीने के रास्ते खोल दिए। आत्मसमर्पण के बाद उन्हें पुनर्वास प्रक्रिया के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने ट्रैक्टर ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षण लिया, जहां उन्होंने न केवल भारी मशीनों का संचालन सीखा, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास को भी अपने जीवन में अपनाया। निरंतर मेहनत और सीखने की इच्छा ने उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव लाया।

आज मनकू कड़ती एक बदले हुए इंसान के रूप में सामने आए हैं। वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं और समाज के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। जहां पहले उनके जीवन में डर और अस्थिरता थी, वहीं अब आत्मविश्वास और नई उम्मीद ने जगह ले ली है। मनकू कड़ती के जीवन की यह नई शुरूआत इस बात का प्रमाण है कि विपरीत परिस्थितियों और गलत दिशा में बढ़ते कदमों के बावजूद, यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले तो जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव है।

बस्तर में नया सबेरा, निकला स्वास्थ्य सेवाओं का सूरज

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। जिला प्रशासन सुकमा और बेंगलुरु के एनटीआर फाउंडेशन के साझा प्रयासों से आयोजित दो दिवसीय सुपर स्पेशलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का गत दिवस आयोजन किया गया। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने शुभारंभ किया। मेगा स्वास्थ्य शिविर में उन संवेदनशील और अंदरूनी क्षेत्रों के 3,700 से अधिक ग्रामीण बेखौफ होकर पहुँचे, जो कभी मुख्यधारा से कटे हुए थे।

कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह के निर्देशानुसार कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में 6,500 से अधिक लाभार्थी उपस्थित हुए। शिविर के दौरान 21 विशेषज्ञ डॉक्टरों और 40 स्वास्थ्य योद्धाओं ने सेवाएं दीं।

कभी लाल आतंक की धमक से सहमे रहने वाले सुकमा जिले की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। दशकों पुराने संघर्ष और भय के बादलों को चीरकर अब यहाँ विकास और खुशहाली की नई किरणें बिखर रही हैं। मिनी स्टेडियम में विगत 28 और 29 मार्च को आयोजित इस शिविर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि जहाँ कभी गोलियों की गूँज थी, आज वहाँ सेवा और संकल्प के गीत गाए जा रहे हैं।

शिविर में केवल सामान्य बीमारियों का ही नहीं, बल्कि कैंसर, हृदय रोग और न्यूरोलॉजी जैसी गंभीर समस्याओं का भी विशेषज्ञ उपचार किया गया। नक्सलवाद के दौर में स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहे बुजुर्गों के लिए 989 चश्मों का वितरण किया गया, जिससे उनकी धुंधली दुनिया एक बार फिर रोशनी से भर उठी। वहीं 1,500 बच्चों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण कर आने वाली पीढ़ी को कुपोषण और बीमारियों से मुक्त करने का संकल्प लिया गया।

शिविर में विशेष रूप से 85 महिलाओं की कैंसर स्क्रीनिंग और 2,300 आभा आईडी का निर्माण इस बात का प्रतीक है कि सुकमा अब डिजिटल स्वास्थ्य और सुरक्षा कवच से लैस हो रहा है।

लाल आतंक के खात्मे के बाद सुकमा का यह बदलाव पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल है। यह शिविर केवल एक चिकित्सकीय आयोजन नहीं था, बल्कि शासन-प्रशासन के प्रति जनता के अटूट विश्वास का उत्सव था। 153 आयुष्मान कार्डों का मौके पर निर्माण यह सुनिश्चित करता है कि अब सुदूर अंचल का गरीब से गरीब व्यक्ति भी पैसे के अभाव में इलाज से वंचित नहीं रहेगा।

मेगा हेल्थ कैंप में आयुर्वेदिक चिकित्सा, दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग वितरण और आधुनिक जांच की सुविधाएं भी मिलती हैं। लाल आतंक की समाप्ति के दौर में शांति और सुरक्षा का माहौल बना है, तब प्रशासन की पहुँच अंतिम छोर के व्यक्ति तक आसान हुई है।

बारूद पर भारी पड़ा विकास का सपना, गढ़ने लगे भविष्य

नक्सली पुनर्वास नीति केवल शस्त्र छोड़ने का अभियान नहीं, बल्कि भटके युवाओं के जीवन में नई रोशनी लाने का माध्यम है। जहां कभी बारूद की गंध थी, वहां अब विकास की सड़कें पहुंच रही हैं। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन द्वारा लिवलीहुड कॉलेज में आत्मसमर्पित युवक-युवतियों के लिए स्वरोजगार आधारित विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इस परिवर्तन की एक जीती-जागती मिसाल हैं 27 वर्षीय विनोद कुरसम। बीजापुर जिले के सुदूर बीहड़ गांव कोकेरा के रहने वाले विनोद का बचपन अभावों और भय के साये में बीता। गांव के स्कूल को माओवादियों ने उड़ा दिया तो पढ़ाई बंद हो गई। नक्सलियों ने विनोद को बाल संगठन में झोंक दिया। फिर वे चौरपल्ली आरपीसी जनताना सरकार के कमांडर बन गए। विनोद कहते हैं, असामाजिक गतिविधियों ने जीवन के 16 वर्ष व्यर्थ कर दिए। पुनर्वास नीति ने उनकी सोच बदल दी। 15 जनवरी 2026 को विनोद ने अपने 30 साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर नई शुरुआत का फैसला किया। विनोद अपने बच्चों को वह जीवन नहीं देना चाहते जो उन्होंने जिया। लाइवलीहुड कॉलेज में वे इलेक्ट्रीशियन का ट्रेड सीख रहे हैं। उनके चेहरे की मुस्कान उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

राज्य में 8वां पोषण पखवाड़ा कल से

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में कुपोषण के खिलाफचल रहे जन-आंदोलन को और सशक्त बनाने के लिए 9 से 23 अप्रैल तक 8वां पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जन-भागीदारी के माध्यम से कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को मजबूती देना है।

इस वर्ष पखवाड़ा की थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखी गई है, जो बच्चों के प्रारंभिक वर्षों में पोषण, स्वास्थ्य और समुचित देखभाल के महत्व को केंद्र में रखती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीवन के पहले छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की नींव होते हैं, इसलिए इस अवधि में उचित पोषण अत्यंत आवश्यक है।

वर्ष 2018 से संचालित पोषण अभियान को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसके तहत जन-जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पोषण पखवाड़ा के लिए आयोजित नोडल अधिकारियों की बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ रेणुका श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक डी. एस. मरावी, उपसंचालक श्रुति नेलकर, अभय देवांगन सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्कुल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, कृषि, खाद्य, आयुष, जल संसाधन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विभागों को अपनी-अपनी कार्ययोजना तैयार कर अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पोषण पखवाड़ा के दौरान प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इनमें बच्चों और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, पोषण परामर्श, अन्नप्राशन, गोदभराई, स्वच्छता एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं।

एक जिला एक उत्पाद योजना से बदल रही ग्राम बघमरा की तस्वीर, अदरक उत्पादन का बना हब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना अब धरातल पर किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसी क्रम में बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड अंतर्गत ग्राम बघमरा के युवा प्रगतिशील किसान आकाश चंद्राकर ने अदरक की खेती के माध्यम से सफलता की एक नई मिसाल प्रस्तुत की है।

पारंपरिक फसलों से आगे बढ़ते हुए आकाश चंद्राकर ने एक जिला एक उत्पाद योजना से प्रेरित होकर अपने लगभग ढाई एकड़ खेत में अदरक की खेती की शुरुआत की। वैज्ञानिक पद्धतियों और बेहतर प्रबंधन के साथ की गई इस खेती से उन्हें उत्कृष्ट उत्पादन प्राप्त हुआ। साथ ही बाजार में अदरक की अच्छी मांग के कारण उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिला, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

किसानों को प्रोत्साहित करने और खेती की लागत को कम करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के उद्यानिकी विभाग द्वारा राज्य पोषित मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत आकाश चंद्राकर को लगभग 49 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। इस वित्तीय सहयोग से उन्हें आधुनिक कृषि संसाधन जुटाने, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं तकनीकों का उपयोग करने में सहायता मिली, जिसका सीधा लाभ उत्पादन और गुणवत्ता में दिखाई दिया।

आकाश चंद्राकर बताते हैं कि अदरक की खेती उनके लिए समृद्धि का नया द्वार बनकर आई है। शासन से प्राप्त अनुदान ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्हें बेहतर उत्पादन हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है।

एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत अदरक को चयनित किए जाने के बाद जिले के अन्य किसान भी इस नगदी फसल की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने निखारे भविष्य के स्टार

- कोमोलिका से अंजलि तक, दिखाई भविष्य की प्रतिभाओं की मजबूत पाइपलाइन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 ने देशभर के जनजातीय समुदायों के खिलाड़ियों को एक साझा मंच पर एकत्रित किया, जहाँ अलग-अलग स्तर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुछ के लिए यह बहु-खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का पहला अनुभव था, तो कुछ के लिए यह उनके उभरते हुए करियर का अगला महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

इस उद्घाटन संस्करण में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ियों ने नौ खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा की। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जबकि पारंपरिक खेलों जैसे मल्लखंभ और कबड्डी को प्रदर्शन खेलों के रूप में शामिल किया गया।

भारत जहां 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की संभावित मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा है, ऐसे में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स ने विविध जनजातीय पृष्ठभूमि के खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न खेलों में भारत की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। ये खेल छत्तीसगढ़ के तीन शहरों—रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर—में आयोजित किए गए।

यहाँ कुछ ऐसे खिलाड़ियों की झलक प्रस्तुत है जो पहले से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ रहे हैं, और कुछ ऐसे भी जिन्होंने भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन की संभावना दिखाई है।

मणिकांता एल (तैराक)

मणिकांता एल ने तैराकी प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर कर्नाटक को समग्र चैंपियन बनने की मजबूत नींव दी। 21 वर्षीय मणिकांता पहले भी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक जीत चुके हैं और आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की तैयारी कर रहे हैं। 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक विशेषज्ञ मणिकांता ने अधिकांश रेस में अपना दबदबा कायम रखा।

अंजलि मुंडा (तैराक)

ओडिशा के जाजपुर की 15 वर्षीय अंजलि मुंडा तैराकी प्रतियोगिता की सबसे चमकदार उभरती सितारों में से एक रहीं। उन्होंने 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले, 100 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर बैकस्ट्रोक और 4×100 मेडले में कुल पांच स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि अपने से कहीं अधिक उम्र के खिलाड़ियों को पछाड़ने की क्षमता भी दिखाई।

कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की छात्रा अंजलि अपने पहले खेलो इंडिया गेम्स में हिस्सा ले रही थीं, लेकिन प्रतियोगिता के बड़े मंच के बावजूद वह बिल्कुल भी दबाव में नहीं दिखीं। उनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने की पूरी क्षमता नजर आती है।

कोमलिका बारी (तीरंदाज)

विश्व कैडेट और विश्व यूथ चैंपियन बनने वाली दूसरी भारतीय कोमलिका बारी 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम के प्रबल दावेदारों में से एक हैं। हालांकि वह व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम रिकर्व में स्वर्ण पदक जीतकर लौटीं, लेकिन झारखंड की इस तीरंदाज को हर मुकाबले में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। महिला टीम स्पर्धा में उन्हें फाइनल में नागालैंड से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

किरण पिस्दा (फुटबॉल)

छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम की कप्तान किरण पिस्दा ने सामने से नेतृत्व किया और सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट के दौरान

गोलकीपर के रूप में अपनी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। किरण न सिर्फ अपनी टीम की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं, बल्कि उन्होंने युवा टीम का शानदार नेतृत्व करते हुए यह भी दिखाया कि बेहतरीन नेतृत्व कैसे किसी टीम को बदल सकता है। किरण सैफ प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और क्रोएशियाई लीग खेल चुकी हैं। 24 वर्षीय यह खिलाड़ी अब भारतीय राष्ट्रीय टीम में नियमित स्थान बनाने की उम्मीद कर रही हैं, क्योंकि वह किसी भी पोजीशन पर खेलने में सक्षम हैं।

बाबूलाल हेम्ब्रम (वेट)

झारखंड के 19 वर्षीय बाबूलाल हेम्ब्रम 2024 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले

अपने राज्य के पहले वेटलिफ्टर बने थे। वह अपने राज्य के पहले ऐसे अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर भी हैं जिन्होंने IWF वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप और एशियन यूथ चैंपियनशिप में पदक जीता है। रामगढ़ के केरिबांदा गांव के बाबूलाल अब जूनियर से सीनियर सर्किट में कदम रख रहे हैं और साई पटियाला के नेशनल कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। KITG में जीता गया रजत उन्हें सीनियर खिलाड़ियों को चुनौती देने का आत्मविश्वास देता है।

शिव कुमार सोरेन (स्प्रिंटर)

झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में आसानी से स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने 100 मीटर में 10.58 सेकंड और 200 मीटर में 21.51 सेकंड का समय दर्ज किया। बोकारो के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रशिक्षु शिव का मजबूत शारीरिक गठन है और उनमें भविष्य में और तेज दौड़ने की क्षमता दिखाई देती है।

झिल्ली दलाबेहरा (ओडिशा)

ओडिशा की सबसे सफल वेटलिफ्टरों में से एक झिल्ली दलाबेहरा ने 2020 एशियन

वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 45 किलो वर्ग में स्वर्ण और 2021 कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग में 49 किलो वर्ग में रजत जीता था। भारतीय रेलवे कर्मचारी झिल्ली ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में 53 किलोग्राम वर्ग में भाग लिया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भार्गवी भगोरा (तीरंदाज)

गुजरात की 21 वर्षीय भार्गवी भगोरा ने रायपुर में रिकर्व व्यक्तिगत फाइनल में कोमोलिका बारी से हार का सामना किया, लेकिन जिस तरह उन्होंने अधिक

अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को अंत तक कड़ी टक्कर दी, उससे उन्हें जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम के चयन ट्रायल से पहले काफी आत्मविश्वास मिलेगा। अरावली जिले की भार्गवी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के विभिन्न संस्करणों में तीन पदक जीत चुकी हैं और वर्तमान में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा समर्थित नडियाद हाई परफॉर्मेंस सेंटर में प्रशिक्षण ले रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950